▪ माघ कृष्णा - 13 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 19 ▪ अंक - 194 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 08-02-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 पांडवों ने कौरवों से सिर्फ पांच गांव मांगे थे, सनातन आस्था तो सिर्फ 'तीन' की बात कर रही है : योगी

6 मोदी के आत्मविश्वास से भरा आमचुनाव का गणित

7 'जर्नी' में नाना पाटेकर के साथ काम करना शानदार अनुभव : भक्ति राठौड़

फर्स्ट टेक

वियतनाम में एक घंटे में पांच बार भूकंप के झटके

हनोई/एजेन्सी। वियतनाम के सेंट्रल हाइलैंड प्रांत कोन तुम के कोन प्लांग जिले में बुधवार दोपहर एक घंटे में भूकंप के पांच बार झटके महसूस किए गए। भूभौतिकी संस्थान के तहत भूकंप सूचना और सुनामी चेतावनी केंद्र ने यह जानकारी दी। वियतनाम समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार इन सभी भूकंपों से कोई नुकसान नहीं हुआ। देश में सबसे शक्तिशाली भूकंप 10:11:50 (हनोई समयानुसार) पर आया, जिसकी तीव्रता 4.0 मापी गयी थी और भूकंप सतह से 8.1 किमी गहराई पर स्थित था। पहले भूकंप के झटके के बाद एक घंटे में चार बार भूकंप के झटके महसूस किए गए जिनकी तीव्रता 3.3, 2.8, 2.5 और 3.7 मापी गयी थी और यह जमीनी सतह से 8.1 से 10.1 किमी गहराई पर स्थित था।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में विस्फोटों में 25 की मौत

कराची/भाषा। पाकिस्तान में आम चुनाव से एक दिन पहले बुधवार को बलूचिस्तान प्रांत में चुनाव कार्यालयों को निशाना बनाकर किए गए दो बम विस्फोटों में कम से कम 25 लोग मारे गए और 42 अन्य घायल हो गए। पहली घटना में, पिशिन जिले में निर्दलीय उम्मीदवार असफंदयार खान काकड़ के कार्यालय के बाहर एक भीषण विस्फोट में 17 लोगों की मौत हो गई और 30 अन्य घायल हो गए। एक घंटे से भी कम समय के बाद, किला अब्दुल्ला क्षेत्र में जमीयत उलेमा इस्लाम (जेयूआई) के चुनाव कार्यालय के बाहर एक और बम विस्फोट हुआ, जिसमें आठ लोगों की जान चली गई और 12 अन्य घायल हो गए।

इजरायल ने सीरिया में मिसाइल हमला किया

दमिश्क/एजेन्सी। इजरायल ने सीरिया के मध्य प्रांत होम्स के विभिन्न इलाकों पर मिसाइल हमले किए है। सीरिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि हमला मंगलवार रात को स्थानीय समयानुसार लगभग 12:30 बजे त्रिपोली के उत्तरी लेबनानी क्षेत्र से किया गया। हमले में होम्स शहर और उसके आसपास के विभिन्न स्थलों को निशाना बनाया गया।

08-02-2024	09-02-2024
सूर्यास्त 6:23 बजे	सूर्योदय 6:44 बजे

BSE	NSE
72,152.00	21,930.50
(-34.09)	(+1.10)

सोना	चांदी
6,487 रु.	72,342 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

फितरत हमारी

कितने ही कानून बना दो,
हम धाराएं तोड़ेंगे।
चाहे भर देंगे जुर्माना,
या ले-दे के छोड़ेंगे।
किनकी जेबें होगी भारी,
किनके बाल झिंझोड़ेंगे।
सिस्टम के नाकारापन पर,
सिर्फ ठीकरा फोड़ेंगे।।

प्रत्येक 100 रुपये के एवज में कर्नाटक को केंद्र से 13 रुपये मिलते हैं : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। कर्नाटक कांग्रेस सरकार के केंद्र के खिलाफ बुधवार को यहां जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के बीच मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने आरोप लगाया कि केंद्र को दिए गए प्रत्येक 100 रुपये के बदले में राज्य को महज 13 रुपये मिलते हैं। सिद्दरामैया ने कहा कि हालांकि कर्नाटक देश भर में दूसरा सबसे बड़ा कर योगदानकर्ता है, लेकिन केंद्र प्रायोजित योजनाओं के अनुदान में लगातार गिरावट देखी गई है। उन्होंने कहा,वर्ष 2021-22 में 20,986 करोड़ रुपये से, 2023-24 में यह तेजी से गिरकर 13,005 करोड़ रुपये हो गया है। इस दौरान करीब 7,000 करोड़ रुपये की चिंताजनक कमी आई।

सिद्दरामैया ने बुधवार को यहां केंद्र सरकार की कर हस्तांतरण नीतियों के खिलाफ कर्नाटक कांग्रेस के 'चलो दिल्ली' विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि केंद्र ने अभी तक कर्नाटक में बाढ़ राहत और किसानों के मुद्दों के लिए धन जारी नहीं किया है। उन्होंने कहा,केंद्रीय करों में हमारे राज्य की हिस्सेदारी 14वें वित्त आयोग में 4.71 प्रतिशत से घटाकर 15वें वित्त आयोग में 3.64 प्रतिशत करने से कर्नाटक को पांच वर्षों में लगभग 62,098 करोड़ रुपये का भारी नुकसान हुआ है।

उपमुख्यमंत्री और कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने आरोप लगाया कि राज्य को जितना मिलना चाहिए था उसका केवल 13 प्रतिशत ही मिल रहा है। उन्होंने कहा,हम अपना अधिकार मांग रहे हैं, हमें जो भी प्रतिशत मिलना चाहिए, उसका 13 प्रतिशत मिल रहा है। अगर अन्य राज्यों को लाभ मिलता है तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा, उन्होंने गुजरात को गिफ्ट सिटी दी है। उन्हें हमें भी गिफ्ट सिटी देने दीजिए। उन्हें तमिलनाडु, तेलंगाना और महाराष्ट्र को मौका देने दीजिए। भारत एक एकजुट देश है।

आचार संहिता लागू होने से पहले

''जीपीएस आधारित टोल टैक्स'' शुरू करने की योजना

नई दिल्ली/भाषा। आगामी लोकसभा चुनाव के लिए आचार संहिता लागू होने से पहले सरकार पथकर के लिए ''उपग्रह आधारित पथकर प्रणाली'' शुरू करने पर विचार कर रही है जिसके तहत टोल नाके हटा दिए जाएंगे और वाहन चालकों को केवल उतनी ही दूरी का पथकर देना होगा जितनी दूर वह चलेंगे। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन जयराम गडकरी ने राज्यसभा को प्रश्नकाल के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार पथकर के लिए दुनिया की सर्वश्रेष्ठ प्रौद्योगिकी ''उपग्रह आधारित पथकर प्रणाली'' लाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव से पूर्व आचार संहिता लागू होने से पहले देश में यह व्यवस्था लागू करने का प्रयास है। गडकरी ने कहा ''इस व्यवस्था के तहत टोल नाके हटा दिए जाएंगे। लोगों को कहीं रुकने की जरूरत नहीं होगी। लोगों के वाहन की नंबर प्लेट की फोटो ली जाएगी और जहां से प्रवेश होगा तथा जहां से निकासी होगी, केवल इतनी ही दूरी का पथकर लिया जाएगा।

दिल्ली आबकारी मामला:

केजरीवाल 17 फरवरी को तलब

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने समन का पालन न करने को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की शिकायत पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 17 फरवरी को तलब किया है। ईडी ने आबकारी नीति से संबंधित एक धन-शोधन मामले में पूछताछ के लिए केजरीवाल को समन भेजे थे। राष्ट्रीय राजधानी में आबकारी नीति को समाप्त कर दिया गया था। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट दिव्या मल्होत्रा ने कहा, शिकायत पर संज्ञान ले लिया गया है और उन्हें 17 फरवरी को तलब होने के लिए आदेश जारी किया जा रहा है। न्यायमूर्ति ने ईडी द्वारा मामले में दलीलें पूरी करने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था।

कॉरपोरेट घरानों को लड़कियों की शिक्षा में योगदान देना चाहिए : धनखड़

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने महिलाओं को भारतीय लोकतंत्र में सबसे बड़ी हितधारक बताते हुए बुधवार को कॉरपोरेट घरानों से आगे आकर लड़कियों की शिक्षा में योगदान देने की अपील की।

धनखड़ ने दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉर्थ कैम्पस में स्थित इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय के शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, ''हमारे उद्योगपति विदेशी गैर-लाभकारी संगठनों को काफी दान देते हैं। कॉरपोरेट घरानों को आगे आना चाहिए और अपनी कॉरपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) निधि का इस्तेमाल लड़कियों की शिक्षा में करना चाहिए।''

धनखड़ ने कहा कि एक लड़की को शिक्षित करने से पूरी पीढ़ी बदल सकती है और एक क्रांति आ सकती है। उन्होंने इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय के विद्यार्थियों को नए संसद भवन का भ्रमण करने के लिए आमंत्रित करते हुए उन्हें ऐसे सैनिक करार दिया, जो देश के अगले 25 वर्षों के 'अमृत काल' में स्वर्णिम काल की शुरुआत करेंगे।

देश को उत्तर और दक्षिण में बांटना बंद करे कांग्रेस : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कांग्रेस और उसके नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार से देश को उत्तर और दक्षिण में बांटने वाला विमर्श ना गढ़ने का आग्रह करते हुए कहा कि यह देश के भविष्य को खतरे में डालता है।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर राज्यसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए उन्होंने अफसोस जताया कि कर्नाटक सरकार विज्ञापनों के जरिए इस तरह की कहानी गढ़ रही है।

प्रधानमंत्री, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के नेतृत्व में दिल्ली के जंतर-मंतर पर कांग्रेस के उस धरने का जिक्र कर रहे थे जो राज्य को कर हिस्सेदारी के बंटवारे पर केंद्र की ओर से किए गए कथित 'अन्याय' के खिलाफ दिया गया। उन्होंने कहा, आज मैं एक खास मामले पर अपना दर्द बांटना चाहता हूं। जिस तरह से देश को तोड़ने के लिए इन दिनों भाषा बोली जा रही है, ये नए विमर्श राजनीतिक लाभ के लिए गढ़े जा रहे हैं। एक पूरा राज्य इस भाषा को बोल रहा है, देश के लिए इससे बुरा कुछ नहीं हो सकता... हमने कौन सी भाषा बोलनी शुरू की है।

मोदी ने कहा कि इस तरह की बातें देश के लिए अच्छी नहीं हैं और इससे देश का भविष्य खतरे में पड़ सकता है। उन्होंने अफसोस जताया कि देश के एक हिस्से में टीका बने और कोई कहे कि दूसरे हिस्सों में यह टीका नहीं दिया जा सकता।

कांग्रेस ने 'स्टार्ट अप ' बनाया लेकिन युवराज नॉन स्टार्टर निकले

नई दिल्ली/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर उनका नाम लिये बिना तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस ने उन्हें एक ऐसा स्टार्ट अप बना दिया जो नॉन स्टार्टर हैं।

मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर राज्यसभा में हुई चर्चा का जवाब देते हुए बुधवार को कहा कि कांग्रेस पार्टी ने अपने 'युवराज' को स्टार्ट अप बना दिया जो नॉन स्टार्ट हैं । वह न लांच हो पा रहे हैं और न लिफ्ट हो पा रहे हैं।

भारत सरकार | pfrda | अटल पेंशन योजना भारत सरकार की गारंटीकृत पेंशन योजना

साठ के बाद गरिमामय जीवन के लिए

6 करोड़ से अधिक

अभिदाता अटल पेंशन योजना में पंजीकृत हो चुके हैं

''हमारी सरकार तीन पहलुओं पर अपना ध्यान केंद्रित कर रही है, बैंक रहित को बैंक की सुविधा प्रदान करना, फण्ड से वंचित लोगों को फण्ड उपलब्ध कराना एवं असुरक्षित को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करना। हमारा प्रयास है कि देश के सभी नागरिक एक खुशहाल और मर्यादापूर्ण जीवन व्यतीत करें''

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री, भारत सरकार

आप भी एपीवाई से जुड़ें और आजीवन गारंटीड पेंशन सहित दो अन्य लाभ भी उठाएं

1 1000/- या 2000/- या 3000/- या 4000/- अथवा 5000/- रुपये प्रति माह तक आजीवन पेंशन की गारंटी

2 अभिदाता की मृत्यु के बाद पति या पत्नी को आजीवन समान पेंशन

3 पति/पत्नी की मृत्यु के पश्चात नामिति को 60 वर्ष की आयु तक संचित पेंशन राशि की वापसी

अगर आपकी उम्र 18 से 40 साल के बीच है तो आप **अटल पेंशन योजना** से जुड़ सकते हैं।

आज ही जुड़ें, भुगतान कम करें	आयु	पेंशन स्लैब (₹)	भुगतान राशि (₹)	पेंशन स्लैब (₹)	भुगतान राशि (₹)
	18	1000	42 प्रति माह	5000	210 प्रति माह
	40	1000	291 प्रति माह	5000	1454 प्रति माह

एपीवाई पर अधिक जानकारी के लिए क्यू आर कोड स्कैन करें

आज ही अपने नजदीकी डाकघर/बैंक में संपर्क करें या 1800 110 069 पर कॉल करें या www.pfrda.org.in पर जाएं।

CBC 15113/15/0004/2324

पाकिस्तान के साथ एक हद तक व्यापार वायु, समुद्री मार्ग के माध्यम से हो रहा है : सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि पाकिस्तान के साथ व्यापार एक सीमा तक वायुमार्ग और समुद्री मार्गों के माध्यम से किया जा रहा है, लेकिन जमीनी मार्ग से यह बंद है, क्योंकि पड़ोसी देश ने ही 'एकतरफ़ा' प्रतिबंध लगाया हुआ है।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने सदन में एक पूरक प्रश्न के उत्तर में कहा कि यह पाकिस्तान की जिम्मेदारी है कि वह अपने क्षेत्र के माध्यम से मध्य और पश्चिम एशियाई देशों में भारतीय सामान के पारगमन की अनुमति दे। पटेल ने कहा कि पहले जो भी व्यापार होता था, सब अटारी-वाघा सीमा और कराची बंदरगाह के जरिये होता था। उन्होंने कहा, अब, भूमि मार्ग से कोई व्यापार नहीं हो रहा है। लेकिन कुछ व्यापार समुद्र और हवाई मार्ग से किया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान के साथ समुद्री और हवाई मार्गों के माध्यम से यह व्यापार जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट, इनलैंड कंटेनर डिपो, तुगलकाबाद, मुंद्रा एसईजेड, एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स मुंबई और एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स हैदराबाद आदि के माध्यम से किया जा रहा है। मध्य एशियाई देशों के साथ व्यापार की संभावना पर एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, हमने पाकिस्तान के साथ व्यापार बंद नहीं किया है। मध्य एशिया के साथ व्यापार के संबंध में, हमारा कोई भी व्यापार पाकिस्तान के माध्यम से होना है। इसलिए, व्यापार मार्ग खोलने की जिम्मेदारी पाकिस्तान की है। पटेल ने कहा कि व्यापार पर प्रतिबंध भारत की ओर से नहीं, पाकिस्तान की ओर से ''एकतरफा लगाया गया'' था। उन्होंने कहा, इसलिए जिम्मेदारी पाकिस्तान की है, क्योंकि पारगमन उनके क्षेत्र से होना होगा। जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को केंद्र द्वारा 2019 में निरस्त करने के बाद पाकिस्तान ने भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार को निलंबित कर दिया था और इस्लामाबाद में अपने उच्चायुक्त को निष्कासित कर दिया था।

केरल में सबरीमला रेल परियोजना के लिए दो वैकल्पिक संरेखण की जांच की जा रही है: वैष्णव

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा को अवगत कराया कि केरल सरकार के सहयोग न करने के कारण इतने वर्षों के प्रयासों के बाद भी राज्य की प्रस्तावित सबरीमला रेलवे परियोजना में प्रगति नहीं हुई है और इसके दो वैकल्पिक संरेखण पर विचार किया जा रहा है। रेल मंत्री ने एक पूरक प्रश्न के उत्तर में बताया कि परियोजना के लिए दो वैकल्पिक संरेखण पर विचार किया जा रहा है।

इस परियोजना का उद्देश्य राज्य में सबरीमला मंदिर जाने वाले तीर्थयात्रियों के लिए कनेक्टिविटी प्रदान करना है। इसे सबरी रेल परियोजना के रूप में भी जाना जाता है। उन्होंने कहा कि सबरी रेल परियोजना एक और 'अनोखी केस स्टडी' है, जिसमें इतने वर्षों के प्रयासों के बावजूद, भूमि अधिग्रहण के मुद्दे पर राज्य सरकार से सहयोग न मिलने के कारण वैसी वांछित प्रगति नहीं हुई है, जैसी होनी चाहिए थी। वैष्णव ने कहा, फिलहाल, हम दो संभावित वैकल्पिक संरेखणों पर काम कर रहे हैं। एक संरेखण में रेलवे लाइन मंदिर के बहुत करीब पहुंच जाएगी और दूसरे संरेखण में यह लाइन मंदिर से लगभग 25-26 किमी पहले समाप्त हो जाएगी। एक बार दोनों संरेखणों की पूरी तरह से पड़ताल हो जाए, उसके बाद ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा। केरल में रेलवे नेटवर्क के विकास को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता का जिक्र करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि रेल नेटवर्क को सबरीमला मंदिर तक पहुंचाना एक महत्वपूर्ण परियोजना है।

''सर्विकल कैंसर जागरुकता अभियान का ब्रांड एम्बेसर बनाने के लिए पूनम पांडे के नाम पर विचार नहीं''

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि सर्विकल कैंसर पर जागरुकता फैलाने के सरकार के राष्ट्रीय अभियान का ब्रांड एम्बेसडर बनाने के लिए अभिनेत्री पूनम पांडे के नाम पर कोई विचार नहीं किया जा रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय का यह बयान तब आया है जब कुछ सूत्रों ने कहा कि पूनम पांडे को सर्विकल कैंसर पर जागरुकता अभियान का चेहरा बनाया जा सकता है और इस सबंध में अभिनेत्री व उनकी टीम स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बातचीत कर रही है।

दरअसल, इस महीने की शुरुआत में सोशल मीडिया पर सर्विकल कैंसर की वजह से पूनम पांडे की 'मौत' की खबर सुर्खियों में रही और सोशल मीडिया पर इसको लेकर बहस भी छिड़ी। बाद में अभिनेत्री की मौत की खबर फर्जी निकली और यह बात सामने आई कि यह सर्विकल कैंसर के बारे में जागरूकता के प्रसार के लिए अभिनेत्री और उनकी टीम द्वारा किया गया एक 'स्टंट' था। पूनम पांडे ने 3 फरवरी को 'इंस्टाग्राम' पेज पर एक वीडियो पोस्ट कर खुद के जीवित होने की जानकारी दी थी और कहा कि सर्विकल कैंसर से मेरी मौत नहीं हुई है।

नौका के जरिये कुवैत से मुंबई में अवैध रूप से प्रवेश करने के आरोप में तीन लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। नौका के जरिये कुवैत से मुंबई पहुंचने वाले तीन लोगों को पुलिस ने अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के आरोप में बुधवार को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मंगलवार को नौका से मुंबई पहुंचे तीनों लोगों ने बोट को 'गेटवे ऑफ इंडिया' पर रोका था।

अधिकारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया नौका में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। नौका से आए तीनों लोग तमिलनाडु के निवासी हैं। नौका मिलने के बाद कोलाबा पुलिस ने उनके खिलाफ मामला दर्ज किया है। उन्होंने कहा, भारत में प्रवेश के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं का पालन नहीं करने के लिए तीनों के खिलाफ पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) अधिनियम की दंडात्मक धारा छह (ए) के साथ तीन (ए) के तहत मामला दर्ज करने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। अधिकारी ने बताया कि तीनों व्यक्ति दो वर्ष पहले काम के सिलसिले में कुवैत गए थे। उन्हें कुवैत ले जाने वाले एजेंट ने कथित तौर पर उनके साथ दुर्व्यवहार किया जिसके बाद वे वहां से भाग आए। उन्होंने कहा कि इस मामले में जांच जारी है। इस घटना ने समुद्री सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। नवंबर 2008 में आतंकी हमला करने वाले दस पाकिस्तानी आतंकवादी समुद्र के रास्ते ही मुंबई में दाखिल हुए थे। इन आतंकी हमलों में 166 लोगों की जान चली गई थी और 300 से अधिक लोग घायल हो गए थे।

पीएमएलए अदालत ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सोरेन की ईडी हिरासत पांच दिन बढ़ाई

रांची/भाषा। रांची की एक विशेष पीएमएलए अदालत ने कथित भूमि घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) हिरासत बुधवार को पांच दिन के लिए बढ़ा दी। यह जानकारी वकीलों ने दी। पूर्व मुख्यमंत्री सोरेन को दो फरवरी को विशेष पीएमएलए (धन शोधन रोकथाम अधिनियम) अदालत ने पांच दिन की ईडी हिरासत में भेजा था। सोरेन की ईडी हिरासत बुधवार को समाप्त हो गई। महाधिवक्ता राजीव रंजन ने संवाददाताओं से कहा, प्रवर्तन निदेशालय ने सात दिन हिरासत का अनुरोध किया था, जिसका हमने पुरजोर विरोध किया। ईडी को पांच दिन की हिरासत दे दी गई। सोरेन को धनशोधन मामले में ईडी द्वारा सात घंटे की पूछताछ के बाद 31 जनवरी की रात गिरफ्तार किया गया था। सोरेन ने अपनी गिरफ्तारी से पहले मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।

अंतरिक्ष से जुड़ी रक्षा क्षमता के लिए सशस्त्र बलों ने 25 हजार करोड रुपए की योजना बनाई: सीडीएस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने बुधवार को कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़ी अपनी रक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए 25,000 करोड़ रुपए की धनराशि निर्धारित की है, जिसमें निगरानी उपग्रहों के निर्माण से लेकर सुरक्षित संचार नेटवर्क तक शामिल है।

एसआईए-इंडिया द्वारा आयोजित डेफसैट सम्मेलन और एक्सपो को संबोधित करते हुए जनरल चौहान ने अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए भारत के निजी उद्योगों से इस अवसर का उपयोग देश को उभरते दोहरे उपयोग-क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए करने का आग्रह किया। सशस्त्र बलों की जरूरतों का उल्लेख करते हुए उन्होंने उद्योग से मल्टी-सेंसर उपग्रहों, लॉन्च-ऑन-डिमांड' सेवाओं और भू स्टेशन का एक मजबूत नेटवर्क विकसित कर खुफिया, निगरानी और टोही (आईएसआर) क्षमताओं को बढ़ाने में भागीदार बनने का आग्रह किया। जनरल चौहान ने नाविक (उपग्रह आधारित स्वदेशी दिशा-सूचक प्रणाली) को मजबूत करके स्वदेशी पोजिशनिंग, दिशा-सूचक और टाइमिंग (पीएनटी) सेवाओं को विकसित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, भारतीय सशस्त्र बल पीएनटी आवश्यकताओं के लिए विदेशी प्रणालियों पर निर्भर नहीं रह सकते। नेविगेशन, सिंक्रोनाइजेशन के साथ-साथ लंबी दूरी की भागीदारी के लिए पीएनटी सेवाओं को लेकर सुरक्षित, विश्वसनीय और टिकाऊ नाविक प्रणाली के निर्माण की आवश्यकता होगी।

यूनियन बैंक को हिंदी के कार्यान्वयन के लिए पहला पुरस्कार मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सेलम की 55वीं बैठक 29 जनवरी को हुई थी। उसमें यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय कार्यालय सेलम को राजभाषा - हिंदी के सर्वोत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए पहला पुरस्कार मिला है। दी गई जानकारी के अनुसार, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय कार्यालय सेलम के क्षेत्र प्रमुख एम चेल्लदुरै और राजभाषा अधिकारी आशीष ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सेलम के अध्यक्ष एवं डीआरएम, सेलम मंडल पंकज कुमार सिन्हा और एडीआरएम सेलम मंडल पी शिवलिंगम से शील्ड प्राप्त की।

सर्जरी में आंख की रौशनी जाने के बाद सरकार कानून में कर रही संशोधन

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात सरकार ने बुधवार को गुजरात उच्च न्यायालय को बताया कि वह गुजरात क्लिनिकल प्रतिष्ठान (पंजीकरण और विनियमन) अधिनियम-2021 में संशोधन करने की प्रक्रिया में है और सभी चिकित्सा प्रतिष्ठानों के लिए पंजीकरण अनिवार्य किया जाएगा। अदालत ने 17 जनवरी को उस मीडिया रिपोर्ट पर स्वत: संज्ञान लिया, जिसमें पिछले महीने अहमदाबाद जिले के एक ट्रस्ट द्वारा संचालित अस्पताल में मोतियाबिंद की सर्जरी के बाद 17 लोगों ने आंशिक या पूर्ण रूप से आंखों की रौशनी जाने की शिकायत की थी। अदालत ने इस घटना को 'भयानक और निंदनीय' करार दिया। मुख्य न्यायाधीश सुनीता अग्रवाल और न्यायमूर्ति अनिरुद्ध पी माई की खंडपीठ घटना पर स्वत: संज्ञान वाली जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। महाधिवक्ता कमल त्रिवेदी ने अदालत को बताया कि उक्त अधिनियम के तहत वर्तमान में 50 या अधिक बिस्तरों वाले प्रतिष्ठानों के लिए राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के साथ पंजीकरण अनिवार्य है। दिसंबर 2023 में प्रस्तावित संशोधन के मसौदे में बिस्तरों की संख्या से इतर सभी चिकित्सा इकाइयों को पंजीकृत करने की आवश्यकता है।

महाराष्ट्रः नागपुर में बस में संदिग्ध वस्तु मिली

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के नागपुर शहर में बुधवार को राज्य परिवहन की एक बस में एक संदिग्ध वस्तु मिली जिसे बाद में बम निरोधक दस्ता (बीडीडीएस) निरीक्षण के लिए वहां से दूर ले गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह वस्तु गणेशपेठ बस डिपो में वाहन में चालक की सीट के पास मिली। इसके बाद पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई और बीडीडीएस के दल तथा श्वान दस्ते को तैनात किया गया। अधिकारी ने कहा, यह वस्तु विस्फोटक प्रतीत हो रही थी। पुलिस ने कहा कि वस्तु के निरीक्षण और इसके निपटान के लिए बीडीडीएस इसे वहां से दूर ले गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध
DNR Highline @ Okalipuram
near LULU Mall Rajajinagar
3 & 4 BHK FLATS
with 7 Star Luxurious Amenities.
Only Few Flats available for Sale.
for details
Contact Owner: 9844027560

असली राकांपा को लेकर निर्वाचन आयोग के फैसले की शरद पवार गुट ने निंदा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के संस्थापक शरद पवार के समर्थकों ने अजित पवार गुट को असली राकांपा के रूप में मान्यता देने के निर्वाचन आयोग के फैसले की बुधवार को निंदा की और उन्होंने पुणे तथा आसपास के इलाकों में काले रिबन पहनकर विरोध प्रकट किया। चुनाव आयोग ने शरद पवार को झटका देते हुए मंगलवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाले खेमे को असली राकांपा के रूप में मान्यता दी और उन्हें पार्टी का नाम तथा चिह्न भी आवंटित किया।

राकांपा संस्थापक के समर्थकों का कहना है कि शरद पवार का मतलब ही पार्टी और चिह्न है। उन्होंने कहा कि राज्य में हर कोई जानता है कि राकांपा वास्तव में किसकी है। पुणे शहर के पास एक औद्योगिक क्षेत्र, पिंपरी चिंचवाड़ में एक महिला समर्थक ने कहा, यह पहली बार नहीं है कि शरद पवार साहब को इस तरह के हालात का सामना करना पड़ा है, लेकिन दुखद बात यह है कि परिवार के व्यक्ति ने ही पार्टी तोड़ दी। मुझे विश्वास है कि महाराष्ट्र के लोग इसका करारा जवाब देंगे। उन्होंने कहा, हम काले रिबन और काले कपड़े पहनकर चुनाव आयोग के फैसले की निंदा कर रहे हैं। एक अन्य समर्थक ने कहा कि कल एक काला दिन था। पार्टी के एक कार्यकर्ता ने कहा, पवार साहब द्वारा खड़ी की गई पार्टी को दूसरे गुट को दे देना संविधान का उल्लंघन है। पवार साहब ने अजित पवार को कई उच्च पदों पर रखा, लेकिन उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मदद से उनकी ही राजनीति को खत्म करने की साजिश रची। पुणे में भी शरद पवार गुट के पार्टी कार्यकर्ताओं ने काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। राकांपा (शरद पवार समूह) की शहर इकाई के अध्यक्ष प्रशांत जगताप ने कहा कि वे नए नाम और चिह्न के साथ लोगों के पास जाएंगे। उन्होंने कहा, दूसरे गुट द्वारा पार्टी पर कब्जा कर लेने से पवार साहब पर कोई असर नहीं पड़ेगा क्योंकि ज्यादा से ज्यादा लोग उनके समर्थन में आएंगे।

बीआरओ के मजदूरों को मुआवजे पर कार्य दिवस संबंधी प्रावधान में छूट को मंजूरी

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के आकस्मिक वेतनभोगी मजदूरों (सीपीएल) को अनुग्रह राशि के एकमुश्त भुगतान के लिए दुर्घटना के समय 179 कार्य दिवस पूरे करने के प्रावधान से छूट के प्रस्ताव को बुधवार को मंजूरी दे दी। मौजूदा प्रावधानों के तहत, जिन आकस्मिक वेतनभोगी मजदूरों ने बीआरओ में कम से कम 179 दिन काम किया है, उन्हें पांच लाख रुपए की अनुग्रह राशि एकमुश्त भुगतान के दायरे में रखा गया है।

रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, रक्षा मंत्री ने बीआरओ/सामान्य अभियांत्रिकी रिजर्व फोर्स (जीआरईएफ) में काम करने वाले आकस्मिक वेतनभोगी मजदूरों को अनुग्रह राशि के एकमुश्त भुगतान के लिए दुर्घटना के समय 179 कार्य दिवस पूरे करने के प्रावधान से छूट के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। अभी तक 179 कार्य दिवसों की इस बाध्यता के कारण, दिवंगत सीपीएल के कई परिवार इस अनुदान से वंचित रहे हैं। बीआरओ इकाइयां दूर-दराज, बर्फ से घिरे, ऊंचाई वाले क्षेत्रों में स्थित हैं, जहां कोई उचित सार्वजनिक और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं।

भारत व्यवस्थित तरीके से ऊर्जा बदलाव को लेकर भरोसेमंद वृद्धि रूपरेखा के पक्ष में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेतुल (गोवा)/भाषा। भारत ने बुधवार को व्यवस्थित तरीके से हरित ऊर्जा की ओर बदलाव के लिए एक भरोसेमंद वृद्धि रूपरेखा तैयार किए जाने की वकालत की। उसने कहा कि कोयला और पेट्रोल जैसे जीवाश्म ईंधन की आलोचना करने की जगह एक संतुलित और सार्थक बातचीत की जरूरत है।

यहां भारत ऊर्जा सप्ताह में पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता अपनी तेल खरीद में विविधता लाने के विकल्प तलाश रहा है। इसमें रूस और वेनेजुएला में उपलब्ध अवसर का उपयोग भी शामिल है। उन्होंने कहा कि आयात के स्रोतों के विविधीकरण और गैस मूल्य निर्धारण व्यवस्था में बदलाव सहित क्षेत्र में हाल में किए गए सुधारों ने भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में गिरावट सुनिश्चित की, जबकि वैश्विक स्तर पर कीमतें बढ़ रही थीं। मंत्री ने भारत ऊर्जा सप्ताह के दौरान 'वीयूसीए दुनिया में देशों और उद्योग के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना' विषय पर आयोजित मंत्रिस्तरीय पैनल में यह बात कही।

डीजेबी में भ्रष्टाचार से मिली रिश्वत की रकम चुनावी कोष के तौर पर आप को दी गई : ईडी

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को आरोप लगाया कि दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) में निविदा के जरिये भ्रष्टाचार से मिली रिश्वत की रकम चुनावी कोष के तौर पर आम आदमी पार्टी (आप) को दी गई। संघीय एजेंसी ने एक बयान में कहा कि डीजेबी से जुड़े कथित धन शोधन मामले में मंगलवार की छापेमारी के बाद 1.97 करोड़ रुपए मूल्य का सामान और चार लाख रुपए की विदेशी मुद्रा जब्त की गई। इसने कहा कि छापेमारी के दौरान आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य भी जब्त किए गए।

ईडी ने अरविंद केजरीवाल के निजी सहायक बिभव कुमार, आप के राज्यसभा सदस्य एन.डी. गुप्ता और अन्य लोगों के परिसरों की तलाशी ली थी। एजेंसी ने कहा कि गिरफ्तार किए डीजेबी के पूर्व मुख्य अभियंता जगदीश कुमार अरोड़ा ने 'एनकेजी इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड' नामक कंपनी को डीजेबी का ठेका देने के बाद ''रिश्वत'' की रकम नकद और बैंक खातों में प्राप्त की थी।

हरदा पटाखा कारखाना हादसे के दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे : मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हरदा (मप्र)/भाषा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार हरदा शहर में एक पटाखा कारखाने में हुए हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी। मंगलवार को इस कारखाने में विस्फोट और उसके बाद लगी आग में 11 लोगों की मौत हो गई थी। कारखाने में विस्फोट के एक दिन बाद हरदा पहुंचे यादव ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि राज्य सरकार ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाएगी और यह सुनिश्चित करेगी कि त्रासदी के लिए जिम्मेदार दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो। उन्होंने राज्य की राजधानी भोपाल से लगभग 150 किलोमीटर दूर स्थित हरदा के एक अस्पताल में इलाज करा रहे घायलों से मुलाकात की और उनकी स्थिति के बारे में जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने कहा, मैं (हरदा में) उन लोगों से मिला जो कल की घटना में घायल हुए थे। मैं पहले ही भोपाल में (जहां कुछ घायलों को इलाज के लिए लाया गया था) अधिकांश पीड़ितों से मिल चुका हूं। लेकिन, मुझे व्यक्तिगत तौर पर लगा कि मुझे हरदा अवश्य जाना चाहिए। मैंने (एक मृतक के) परिवार से भी मुलाकात की और संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा, मैं भी निरीक्षण के लिए मौके पर जाऊंगा। हमने जो टीम गठित की है, उसकी सिफारिशों के आधार पर सरकार न केवल ठोस कदम उठाएगी, बल्कि (जिम्मेदार लोगों के खिलाफ) ऐसी कड़ी कार्रवाई भी करेगी कि लोग याद रखेंगे। हरदा शहर में पटाखा कारखाने में विस्फोट और उसके बाद लगी आग में 11 लोगों की मौत हो गई और 200 से अधिक लोग घायल हो गए। राज्य सरकार ने घटना की विस्तृत जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है।

केरल में अपनी विफलता का दोष केंद्र पर मढ़ने की कोशिश कर रहा है एलडीएफ : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को कहा कि वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) का केंद्र के खिलाफ प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन 'विशुद्ध राजनीति' व अपनी 'विफलताओं' को (नरेन्द्र) मोदी सरकार पर थोपने का प्रयास है, क्योंकि लोग सत्तारूढ़ गठबंधन से नाराज हैं।

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नीत एलडीएफ ने केंद्र पर केरल को नजरअंदाज करने का आरोप लगाते हुए दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की है। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के नेतृत्व में होने वाले इस विरोध प्रदर्शन में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के नेताओं के भी शामिल होने की उम्मीद है। केरल में भाजपा के राजनीतिक मामलों के प्रभारी प्रकाश जावड़ेकर और केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन ने एक संयुक्त बयान में कहा, केरल की एलडीएफ सरकार द्वारा आठ फरवरी को दिल्ली में प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन और कुछ नहीं बल्कि अपनी नाकामी का ठीकरा मोदी सरकार पर फोड़ने की राजनीति है। ताजा बजट में पूरे केरल में बढ़ाए गए कर से केरलवासी नाराज हैं।

सिद्दरामैया, कर्नाटक के कई कांग्रेस नेताओं ने केंद्र के खिलाफ प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया के नेतृत्व में कांग्रेस की प्रदेश इकाई के कई नेताओं ने कर राजस्व वितरण में राज्य के साथ हुए ''अन्याय'' को लेकर बुधवार को केंद्र के खिलाफ यहां जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन में उपमुख्यमंत्री और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार, राज्य के कई सांसद, मंत्री और विधायक शामिल हुए।

कांग्रेस का आरोप है कि पिछले कुछ वर्षों में कर राजस्व में उसके प्रदेश के हिस्से की राशि के हस्तांतरण और सहायता अनुदान में कर्नाटक के साथ ''अन्याय'' किया गया है। विरोध प्रदर्शन में शामिल कांग्रेस नेताओं ने कहा कि केंद्र सरकार 15वें वित्त आयोग के तहत कर्नाटक को कथित तौर पर हुए 1.87 लाख करोड़ रुपये के नुकसान की भरपाई करे।

उन्होंने आरोप लगाया है कि केंद्र को दिए गए प्रत्येक 100 रुपये के बदले में राज्य को 13 रुपये मिलते हैं। उन्होंने केंद्र पर राज्य के लिए धन आवंटन से संबंधित तथ्यों और आंकड़ों का खुलासा नहीं करने का भी आरोप लगाया। सिद्दारमैया ने आरोप लगाया कि कर्नाटक में केंद्र का योगदान काफी कम हो गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र ने अभी तक कर्नाटक में बाढ़ राहत और किसानों के मुद्दों के लिए धन जारी नहीं किया है।

सिद्दरामैया ने कहा कि यह विरोध भाजपा के खिलाफ नहीं बल्कि कर्नाटक के साथ भेदभाव के खिलाफ है। उन्होंने भाजपा के इस आरोप को खारिज किया कि इस विरोध प्रदर्शन का उद्देश्य उत्तर-दक्षिण विभाजन को बढ़ावा देना है।

सिद्दरामैया ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कहा, हम भारत सरकार द्वारा कर्नाटक और अन्य दक्षिणी राज्यों के साथ किए गए भेदभाव का मुद्दा उठा रहे हैं। इसीलिए मैंने भाजपा और जनता दल (एस) के सभी सांसदों को पत्र लिखकर इस आंदोलन में भाग लेने के लिए कहा था।'' सिद्दरामैया ने कहा कि 14वें वित्त आयोग के तहत राज्यों, खासकर कर्नाटक को कर राजस्व बांटने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले फॉर्मूले को 15वें वित्त आयोग ने बदल दिया था। उन्होंने कहा कि राज्य के राजस्व के नुकसान को रोकने के लिए पुराने फॉर्मूले पर लौटने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 14वें वित्त आयोग द्वारा इस्तेमाल किए गए फॉर्मूले को अपनाने के लिए वह नए वित्त आयोग को भी एक प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे।

कर्नाटक के मंत्री केएच मुनियप्पा ने कहा कि केंद्र सरकार के आश्वासन के बावजूद कर्नाटक में सूखे की स्थिति से निपटने के लिए एक पैसा भी जारी नहीं किया गया है। उन्होंने कहा,केंद्र सरकार ने कर्नाटक में सूखे की स्थिति का अध्ययन करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति भेजी है और उसने रिपोर्ट भी सौंप दी है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृहमंत्री से मुलाकात की, और उन्होंने आश्वासन दिया कि पैसा जारी किया जाएगा। लेकिन, आज तक केंद्र ने पैसा जारी नहीं किया है। हमने पैसा पाने के लिए हर संभव प्रयास किया है। यह आखिरी रास्ता है। हमें विरोध करना होगा।

हमारे मुद्दों का समाधान नहीं तो फिर होगा प्रदर्शन : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने कर हस्तांतरण और सहायता अनुदान में केंद्र सरकार द्वारा राज्य के साथ ''अन्याय'' का आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार का दिल्ली में विरोध प्रदर्शन एक शक्ति प्रदर्शन नहीं बल्कि राज्य के लोगों की आवाज है। राज्य में कांग्रेस अध्यक्ष की भी जिम्मेदारी संभाल रहे शिवकुमार ने कहा कि अगर चीजें इसी तरह जारी रहीं और केंद्र सरकार ने मुद्दों का समाधान नहीं किया तो उनकी पार्टी इसके खिलाफ लड़ेगी और इस मुद्दे को लेकर कर्नाटक की सड़कों पर प्रदर्शन करेगी।

उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा कि कर्नाटक वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह में दूसरे स्थान पर है और देश के राजस्व में सबसे बड़ा योगदानकर्ता है। उन्होंने कहा, हम अपना अधिकार मांग रहे हैं, अपना हिस्सा मांग रहे हैं। कर्नाटक सरकार ने केंद्र से सूखा राहत के लिए धन मांगा था, लेकिन एक रुपया भी नहीं दिया गया।

कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष शिवकुमार ने आरोप लगाया कि राज्य को जितना मिलना चाहिए था उसका केवल 13 प्रतिशत ही मिल रहा है और केंद्र को कर्नाटक को गिफ्ट सिटी भी देने हैं। उन्होंने कहा, हम अपना अधिकार मांग रहे हैं, हमें जो भी प्रतिशत मिलना चाहिए, उसका 13 प्रतिशत मिल रहा है। अगर अन्य राज्यों को लाभ मिलता है तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है। उपमुख्यमंत्री ने कहा,उन्होंने गुजरात को गिफ्ट सिटी दी है। उन्हें हमें भी गिफ्ट सिटी देने दीजिए। उन्हें तमिलनाडु, तेलंगाना और महाराष्ट्र को मौका देने दीजिए। भारत एक एकजुट देश है।

नई दिल्ली में प्रदर्शन के उपरांत कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी से मुलाकात करते हुए कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार।

शिवकुमार ने यह भी कहा, हम कर्नाटक की आवाज हैं। हम न्याय की मांग करते हैं। माकपा के दिग्गज नेता और केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन अपने कैबिनेट सहयोगियों के साथ 8 फरवरी को दक्षिणी राज्य के प्रति केंद्र की कथित उदासीनता के खिलाफ दिल्ली में विरोध प्रदर्शन करेंगे। शिवकुमार ने अपने भाई और बेंगलूरु ग्रामीण से कांग्रेस सांसद डी. के. सुरेश की अलग राष्ट्र वाली टिप्पणी पर एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, कोई विवाद नहीं है, यह एक सच्चाई है। लोग सोच रहें हैं कि हमें दरकिनार किया जा रहा है, बस इतना ही है।

सुरेश ने पिछले सप्ताह दावा किया था कि दक्षिण से एकत्र करों को उत्तर भारत में वितरित किया जा रहा है और दक्षिणी क्षेत्र को उनका उचित हिस्सा नहीं मिल रहा है। यदि इस 'अन्याय' में सुधार नहीं किया गया तो दक्षिणी राज्य एक अलग राष्ट्र की मांग करने के लिए मजबूर होंगे।

भाजपा ने सत्तारूढ़ कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई ने कांग्रेस सरकार की कथित विफलताओं के खिलाफ बुधवार को यहां विरोध प्रदर्शन किया। वहीं दूसरी ओर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया के नेतृत्व में कांग्रेस की प्रदेश इकाई के कई नेताओं ने कर राजस्व के वितरण में राज्य के साथ हुए ''अन्याय'' को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ नई दिल्ली में जंतर-मंतर पर धरना दिया। इसके जवाब में भाजपा ने बेंगलूरु में प्रदर्शन किया।

भाजपा की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष बी. वाई. विजयेंद्र के नेतृत्व में भाजपा विधायकों और नेताओं ने विधान सौध के निकट महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने धरना प्रदर्शन किया। कर्नाटक का राज्य विधानमंडल और सचिवालय विधान सौधा में है। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां लेकर सूखा प्रभावित किसानों को राहत और दुग्ध उत्पादकों को प्रोत्साहन राशि देने में कथित तौर पर विफल रहने के लिए कांग्रेस सरकार की निंदा करते हुए नारे लगाए।

प्रदर्शन में हिस्सा लेने वालों में पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक, विधान परिषद में विपक्ष के नेता कोटा श्रीनिवास पुजारी और कई पूर्व मंत्री शामिल हुए। इस बीच भाजपा सांसद बी. वाई. राघवेंद्र ने संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार अपनी विफलताओं' को छिपाने के लिए राजनीतिक नौटंकी कर रही है।उन्होंने कहा कि कर्नाटक के मतदाता बहुत उम्मीदों के साथ कांग्रेस को सत्ता में लाए थे लेकिन केवल छह महीने में लोगों के साथ-साथ सत्तारूढ़ दल के विधायकों ने भी सरकार से उम्मीद खो दी क्योंकि राज्य में विकास का कोई काम नहीं हो रहा है।राघवेंद्र ने कहा, 'अब सरकार लोकसभा चुनाव का सामना करने की स्थिति में नहीं है। वे अपनी विफलताओं से जनता का ध्यान हटाने की कोशिश कर रहे हैं। अपनी विफलता को छिपाने के लिए वे केंद्र सरकार पर निशाना साध रहे हैं और राजनीतिक नौटंकी कर रहे हैं।'

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक बयान में कहा कि कर्नाटक के शीर्ष नेताओं ने पूरे राज्य के हितों की रक्षा के लिए जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ''सहकारी संघवा'' के बारे में बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, लेकिन हमेशा की तरह यह सिर्फ एक जुमला है। उनके अलोकतांत्रिक, जन-विरोधी विचार कर्नाटक के साथ-साथ अन्य विपक्षी शासित राज्यों में सूखा राहत के मुद्दे पर स्पष्ट हैं। धन देने से इनकार कर दिया गया; खाद्यान्न देने से इनकार कर दिया गया, परियोजनाओं में देरी हुई। रमेश ने कहा, 'कर्नाटक और कांग्रेस न्याय की मांग करते हैं। उचित राशि तत्काल जारी की जाए।' उन्होंने कहा कि यह भाजपा के खिलाफ कांग्रेस पार्टी का राजनीतिक विरोध नहीं है, बल्कि मोदी सरकार के अनुचित व्यवहार को उजागर करने के लिए पूरे राज्य का विरोध है।

स्वागत

बेंगलूरु मे भाजपा प्रदेश कार्यालय में बुधवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेन्द्र येडीयुरप्पा ने भाजपा में दावणगेरे विधानसभा क्षेत्र के मदल मल्किार्जुन का स्वागत किया। एम मल्किार्जुन गुरुवार को एक समारोह में जिला अध्यक्ष का पद स्वीकार करेंगे। इस मौके पर प्रदेश युवा मोर्चा के अध्यक्ष और विधायक धीरज मुनिराजू, वरिष्ठ रवींद्रनाथ, रेनुकाचार्य, मायाकोंडा बसवराज और अन्य उपस्थित थे।

सिद्दरामैया, शिवकुमार अनसुलझे नेतृत्व मुद्दे के कारण दिल्ली में : लहरसिंह सिरोया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के सांसद लहर सिंह सिरोया ने बुधवार को कहा कि जंतर-मंतर पर धन आवंटन को लेकर केंद्र के खिलाफ कर्नाटक कांग्रेस नेताओं का विरोध प्रदर्शन एक दिखावा है क्योंकि उनका यहां आने का कारण कर्नाटक में पार्टी नेतृत्व का अनसुलझा मुद्दा है। सिरोया ने यहां संवाददाताओं से कहा, कांग्रेस भ्रष्टाचार में लिप्त है और प्रशासन ठीक से नहीं चला पा रही है। इसके नेता आंतरिक विवादों के कारण यहां आए हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और डीके शिवकुमार दरअसल मुख्यमंत्री बनना चाहते थे लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

गौरतलब है कि सिद्दरामैया राज्य को केंद्र द्वारा धन लौटाने के मामले में केंद्र सरकार के कथित सौतेले व्यवहार के विरोध में आज जंतर-मंतर पर कर्नाटक कांग्रेस की ओर से आयोजित 'दिल्ली चलो' विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा, आंतरिक कलह के कारण शिवकुमार पार्टी नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ यहां आए हैं क्योंकि वह मुख्यमंत्री नहीं बन सके। उनकी अंदरूनी लड़ाई है और हमारे खिलाफ उनकी कोई लड़ाई नहीं है लेकिन वे इसका दोष हम पर मढ़ना चाहते हैं। सिरोया ने यह भी कहा कि कांग्रेस नेता अपने कुशासन को छुपाने के लिए दिल्ली आए हैं जो पागलपन भरी गारंटी योजनाओं का परिणाम है। उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं, कांग्रेस के एक अन्य वरिष्ठ नेता बीआर पाटिल ने भी इस्तीफा देने की धमकी दी थी क्योंकि उनके निर्वाचन क्षेत्र को विकास के लिए धन नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा,उनकी सरकार में जो हताशा व्याप्त है, उसी के कारण वे कर्नाटक में कुशासन को कवर करने के लिए यहां आए हैं।

युवती ने डॉ. दम्पत्ति से 6 करोड़ रुपए ठगे

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । पुलिस एक महिला की तलाश कर रही है जिस पर आरोप है कि उसने एक डॉ. दम्पत्ति को लगभग 6 करोड़ रुपए का चूना लगा दिया। डॉ. दम्पत्ति द्वारा विजयनगर पुलिस थाने में दी गई शिकायत के अनुसार डॉ. गिरीश और उनकी पत्नी डॉ. मंजुला विजयनगर में एक निजी अस्पताल का संचालन करते हैं। कुछ एक वर्ष पूर्व एक युवती उनके यहां कॉस्मेटिक सर्जरी करवा के गई। वह बार बार उनके पास आती जाती थी। उस युवती को यह मालूम था कि डॉ. दम्पत्ति अच्छी पैसे वाली पार्टी है। एक दिन युवती आई और डॉक्टर को बताया कि वह रियल स्टेट के काम के साथ अच्छी सेकेन्डहैंड लक्जरी कारों में भी डील करती है। उसने डॉ. दम्पत्ति को एक अच्छी कार बहुत ही सस्ते में दिलाने की बात कही। डॉ. दम्पत्ति उनकी बातों में आकर एक कार लेने तैयार हो गए और उन्होंने कार के लिए उस युवती को 2.75 करोड़ रुपए का आनलॉइन पैसे एकाउन्ट में ट्रांसफर कर दिए।

कुछ समय के बाद युवती ने बताया कि आगे का पैसा वह नकद ही लेगी क्योंकि उसे इन्कम टैक्स में परेशानी आ रही है। एक दिन युवती ने कहा कि कार तैयार है उसका रजिट्रेशन दो दिन में हो जाएगा अत: बकाया राशि नकद दे दें। डॉ. दम्पत्ति ने 3 करोड़ 25 लाख रुपए युवती को नकद दिया। जब एक सप्ताह तक कार नहीं आई तो उन्होंने युवती को सम्पर्क किया तो उसने डराते धमकाते पैसे देने से मना कर दिया और कहा कि वह सोशल मीडिया पर डॉ. को बदनाम करूंगी की उसने उसके साथ जर्बदस्ती की है। इसके बाद उसने कहा कि वह सोशल मीडिया पर लिख रही हूँ कहकर और 7 लाख रुपए वसूले।

कर्नाटक सरकार वादे पूरे नहीं कर सकती तो केंद्र के खिलाफ बेबुनियाद आरोप लगा रही है : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के इस दावे को लेकर बुधवार को उसकी आलोचना की कि राज्य को केंद्र से उसके योगदान के अनुपात में धनराशि नहीं मिल रही है। पार्टी ने यह आरोप भी लगाया कि कर्नाटक सरकार का तर्क ना सिर्फ संघवाद के खिलाफ है बल्कि 'राष्ट्रविरोधी' भी है।

कर्नाटक से भाजपा के कई सांसदों ने राजधानी स्थित दिल्ली मुख्यालय में उस वक्त एक संवाददाता सम्मेलन में यह आरोप लगाए जब मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने राज्य को धन के आवंटन में केंद्र के कथित भेदभाव के खिलाफ जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया।

लोकसभा सदस्य तेजस्वी सूर्या ने मुख्यमंत्री पर निराधार और झूठे आरोप लगाने का आरोप लगाया। उन्होंने यह दावा भी किया कांग्रेस ने कर्नाटक विधानसभा चुनावों के दौरान ऐसे अवास्तविक वादे किए थे जिन्हें वह पूरा नहीं कर सकती । सूर्या ने कहा कि कांग्रेस ने चुनाव से पहले गरीबों को 10 किलोग्राम मुफ्त चावल देने का वादा किया था लेकिन सत्ता में आने के बाद यह एहसास हुआ कि राज्य पर्याप्त चावल की खरीद नहीं कर सकता, इसलिए उसने केंद्र सरकार पर दोष मढ़ना शुरु कर दिया।

उन्होंने कहा कि कुछ महीने पहले उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने कथित तौर पर कहा था कि राज्य के पास विकास के लिये धन नहीं है जबकि मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार बसवराज रायरेड्डी ने कहा था कि विभिन्न गारंटियों से पैदा हुए वित्तीय बोझ के चलते राज्य को राजस्व हासिल करने के नये रास्ते तलाशने होंगे।

बेंगलूरु दक्षिण के सांसद ने विरोध प्रदर्शनों को विशुद्ध रूप से राजनीतिक 'नौटंकी' करार देते हुए कहा, यह कर्नाटक सरकार और कांग्रेस का दिल्ली में नवीनतम नाटक है क्योंकि वह जल्दबाजी और गैर-जिम्मेदाराना तरीके से किए गए वादों को पूरा नहीं कर सकती है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं से अपना नाटक बंद करने और राज्य में वापस जाकर लोगों के विकास के लिए काम करने को कहा।

भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा और एस मुनीस्वामी समेत अन्य की मौजूदगी में सूर्या ने कहा कि कांग्रेस नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के 2004-14 के शासन के दौरान राज्य को कुल कर हिस्सेदारी 81,795 करोड़ रुपये थी जबकि 2014-24 में भाजपा नीत राजग सरकार के दौरान यह 250 प्रतिशत बढ़कर 2,85,452 करोड़ रुपये हो गयी। उन्होंने कहा कि इसी अवधि के दौरान अनुदान सहायता 60,779 करोड़ रुपये और 2,08,832 करोड़ रुपये थी।

बेंगलूरु में बहस के बाद पूर्व सैन्य कर्मी ने चलाई गोली

बेंगलूरु। भारतीय सेना के सेवानिवृत्त नायक को शराब के नशे की हालत में एक परिचित परिवार के साथ बहस के बाद कथित तौर पर गोलीबारी करने को लेकर गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि परशुराम (65) मंगलवार को अब्बीगेरे में सूरज(31) के घर गया और उससे तथा उसके परिजनों से बहस करने लगा। आरोपी और सूरज के परिवार के बीच मित्रतापूर्ण संबंध थे। लेकिन पिछले कुछ समय से कुछ विवाद के कारण उनके रिश्ते में तनाव आ गया।

पुलिस के अनुसार, जब सूरज और उसके पिता ने परशुराम को अपने घर में घुसने से रोका तो उनके बीच बहस हो गई। परशुराम ने गुस्से और कथित तौर पर शराब के नशे के प्रभाव में अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर निकाली तथा सूरज पर तान दी। हालांकि सूरज वहां से भाग गया। इसके बाद आरोपी ने हवा में गोली चलाकर दहशत फैला दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि परशुराम को पड़ोसियों ने शांत कराया। सूरज ने इस बीच पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर परशुराम को गिरफ्तार कर लिया और उसकी रिवॉल्वर जब्त कर ली। उन्होंने बताया कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

CIO
बीमा लोकपाल परिषद
Council for Insurance Ombudsmen

बीमा लोकपाल परिषद

बीमा लोकपाल के पदों पर रिक्तियां

विज्ञापन संख्या 1/2024 दिनांक : 08-02-2024

योग्य उम्मीदवारों से मुंबई, चेन्नई, चंड़ीगढ़, बेंगलूरु, गुवाहाटी, कोच्चि, हैदराबाद, जयपुर, भोपाल और ठाणे (खुलने जा रहा हैं) के प्रत्येक केन्द्रों में एक बीमा लोकपाल के पद पर नियुक्ति हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

निम्नलिखित विवरण हमारे होम पेज www.cioins.co.in पर "" Vacancies for the post of Insurance Ombudsman " शीर्षक के अंतर्गत उपलब्ध हैं।

1. "Notification" टैब के तहत बीमा लोकपाल के रूप में नियुक्ति के लिए पात्रता शर्तें, प्रक्रिया, चयन मानदंड और नियम और शर्तें।

2. आवेदन केवल ऑनलाइन मोड के माध्यम से जमा किया जाना है, जिसकी लिंक "Online application for the post of Insurance Ombudsman" टैब के अंतर्गत उपलब्ध है।

इस संबंध में कोई भी प्रश्न query-recruitment@cioins.co.in पर भेजा जा सकता है। ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 08-03-2024 है, समय : 17.30 Hrs. (IST) बजे तक।

ऑनलाइन आवेदन और अन्य विवरणों के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.cioins.co.in पर जाएं, या QR Code स्कैन (scan) करें।

cbc 15227/12/0007/2324
महासचिव (बीमा लोकपाल परिषद)

राजस्थान विधानसभा में आज पेश होगा बजट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की उप मुख्यमंत्री और वित्तमंत्री दीया कुमारी वित्त वर्ष 2024-25 के लिए राज्य का बजट बृहस्पतिवार को विधानसभा में पेश करेंगी। सरकारी बयान के अनुसार उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दीया कुमारी ने बुधवार को उप मुख्यमंत्री कार्यालय में वित्त वर्ष 2024-25 के राज्य लेखानुदान (बजट) को अंतिम रूप दिया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, शासन सचिव वित्त (राजस्व) कृष्णा कांत पाठक, शासन सचिव वित्त (बजट) नरेश कुमार ठकराल एवं निदेशक (बजट) बृजेश शर्मा उपस्थित थे। विधानसभा की कार्य सलाहकार समिति के प्रस्ताव के अनुसार वित्त मंत्री आठ फरवरी को लेखानुदान संबंधी विवरण सदन के पटल पर रखेंगी।

इसके साथ ही वह लेखानुदान संबंधी विनियोग विधेयक भी पेश करेंगी। प्रस्ताव के मुताबिक अनुपूरक अनुदान मांग वर्ष 2023-24 (द्वितीय संकलन) को भी सदन में रखा जाएगा व पारित किया जाएगा।

प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ कानून सख्ती से लागू हो : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकारों को समन्वय बनाते हुए प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ कानून को सख्ती से लागू करना चाहिए ताकि युवाओं को न्याय मिल सके। गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा, हमारी लंबे समय से मांग थी कि भारत सरकार प्रश्नपत्र लीक पर सख्त कानून बनाए

जिस पर अब संसद में विधेयक पेश हुआ है। गहलोत के अनुसार, देश में सबसे पहले हमने राजस्थान में प्रश्नपत्र लीक पर उम्रकैद और 10 करोड़ रुपए जुर्माने का कानून बनाया था। अब भारत सरकार 10 साल की सजा और एक करोड़ रुपए जुर्माने का कानून बना रही है। कांग्रेस नेता ने लिखा, भारत सरकार और सभी राज्य सरकारों को समन्वय स्थापित कर प्रश्नपत्र लीक के विरुद्ध कानून को सख्ती से लागू करना चाहिए जिससे युवाओं के साथ न्याय सुनिश्चित हो सके। सरकारी भर्ती और प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक तथा फर्जी वेबसाइट जैसी अनियमितताओं के खिलाफ तीन साल से 10 साल तक की जेल और न्यूनतम एक करोड़ रुपये के जुर्माने के प्रावधान वाले 'लोक परीक्षा विधेयक, 2024' को मंगलवार को लोकसभा ने पारित कर दिया।

प्रश्न बैंक से परीक्षाओं की तैयारी से बढ़ेगा विद्यार्थियों का आत्मविश्वास : दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने बुधवार को शासन सचिवालय में प्रदेश के सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी के लिए राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद की ओर से तैयार कराए गए 'प्रश्न बैंक' का विमोचन किया। स्कूल शिक्षा विभाग की विशेष पहल के तौर पर इस बार प्रदेश में 10वीं और 12वीं कक्षा के छात्र-छात्राओं को परीक्षाओं से पहले तैयारी और अभ्यास के लिए अलग-अलग विषयों के प्रश्न पत्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री दिलावर ने कहा कि 'प्रश्न बैंक' के माध्यम से हमारी स्कूलों में अध्यनरत विद्यार्थी की न केवल अच्छी परीक्षा तैयारी होगी, बल्कि इस प्रकार के पूर्वाभ्यास से परीक्षाओं में प्रविष्ट होते समय उनका आत्मविश्वास प्रबल रहेगा। वे प्रश्नों का उत्तर तैयार करते हुए बोर्ड परीक्षाओं का गहन अभ्यास कर सकेंगे। यह सभी विद्यार्थियों के लिए एक अच्छा और उपयोगी संग्रह साबित होगा। स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव नवीन जैन ने बताया की प्रदेश में पहली बार समेकित रूप से अलग-अलग जिलों के विषय विशेषज्ञों और विषय अध्यापकों का ग्रुप तैयार किया गया और उनके बीच आपस में वृहद स्तर एक्सरसाइज के बाद ये प्रश्न पत्र तैयार किए गए हैं।

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद के आयुक्त एवं राज्य परियोजना निदेशक अविचल चतुर्वेदी ने बताया कि बोर्ड परीक्षाओं के लिए तैयार ये प्रश्न बैंक प्रदेश के सभी स्कूलों में विद्यार्थियों को सॉफ्ट कॉपी के साथ-साथ प्रिंटेड फॉर्म में भी उपलब्ध कराए जाएंगे। इस मौके पर राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद के अतिरिक्त परियोजना समन्वयक अनिल पालीवाल और उप निदेशक उर्मिला चौधरी सहित परिषद और विभाग के सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद जयपुर द्वारा राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 10 एवं 12 के विद्यार्थियों में बोर्ड परीक्षा से पूर्व बेहतर तैयारी के लिए बनाए गए प्रश्न बैंकों में कक्षा-10 के विद्यार्थियों के लिए 5 विषय अंग्रेजी, विज्ञान, गणित, सामाजिक अध्ययन और संस्कृत के प्रैक्टिस सेट जारी किए गए है।

इसी प्रकार कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिए 13 विषयों हिन्दी, व्यावसायिक अध्ययन, लेखाशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास, राजनीति विज्ञान, हिन्दी साहित्य, जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणित, भूगोल एवं अंग्रेजी के प्रश्न बैंक बनाए गए हैं। पहले बोर्ड परीक्षा में बैठने वाले विद्यार्थियों द्वारा पास बुक के माध्यम से रटन अध्ययन (उत्तर को रटने की आदत) किया जाता था, जिससे की उनमें विषय की समझ विकसित नहीं हो पा रही थी। इसे देखते हुए इस बार स्कूल शिक्षा विभाग की पहल पर प्रश्न बैंकों के माध्यम से विद्यार्थियों को परीक्षा तैयारी का विकल्प उपलब्ध कराया गया है। प्रश्न बैंक में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर द्वारा जारी ब्लू प्रिंट के आधार पर प्रत्येक पाठ से प्रश्नों को शामिल किया गया है।

उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री ने दिल्ली फेयर- स्प्रिंग 2024 में की शिरकत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री के.के. बिश्नोई ने बुधवार को दिल्ली एनसीआर में ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क में चल रहे 57वें आई.एच.जी.एफ. दिल्ली फेयर-स्प्रिंग 2024 में शिरकत की। इस अवसर पर विश्नोई ने बताया कि आई.एच.जी.एफ. दिल्ली फेयर-स्प्रिंग 2024 में उद्योग जगत के ब्रांडों सहित प्रेरणादायक और नवीन अवधारणाओं की तलाश करने वाले अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के लिए एक अपना हुनर डिस्प्ले करने का प्रसिद्ध इवेंट है। उल्लेखनीय है कि 6 से 10 फरवरी 2024 तक इंडिया एक्सपो सेंटर और मार्ट रचनात्मकता, वाणिज्य और सहयोग से गुलजार रहेगा। अपने ब्रांड को आगे बढ़ाने वाली मूल्यवान साझेदारियाँ स्थापित करने के लिए अग्रणी निर्माताओं और निर्यातकों ने इस मेले जुड़कर इसे महत्वपूर्ण बनाया है। मेले में इस बार होम, फैशन, लाइफस्टाइल, फर्निशिंग और फर्नीचर समेत 14 प्रदर्शन खंडों में समर्पित किया गया है। इसमें उत्पादों की विभिन्न श्रृंखला में घरेलू सामान, घरेलू साज-सज्जा, फर्नीचर, गिफ्ट आइटम्स, लैंप और लाइटिंग, क्रिसमस और उत्सव से जुड़े साज-सज्जा के सामान, फैशन आभूषण और एसेसरीज, स्पा और वेलबीइंग प्रोडक्ट, कालीन एवं गलीचे, बाथरूम के एसेसरीज, हैंडमेड पेपर प्रोडक्ट, चमड़े के बैग, शैक्षणिक खेल-खिलौने आदि प्रदर्शित किए गए हैं।

राजस्थान के कई इलाकों में बूंदाबांदी जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पश्चिमी विक्षोभ के असर के चलते राजस्थान के कई इलाकों में बादल छाये रहने और बूंदाबांदी का दौर जारी है। बीते चौबीस घंटे में जैसलमेर में दो मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं हल्की बारिश हुई। जैसलमेर के अलावा बीकानेर जिले में भी कई जगह बूंदाबांदी हुई। सबसे अधिक दो मिलीमीटर बारिश जैसलमेर में दर्ज की गई। इसके साथ ही संगरिया में न्यूनतम तापमान छह डिग्री, पिलानी में 6.5 डिग्री, सीकर और करौली में सात डिग्री, फतेहपुर में आठ डिग्री, श्रीगंगानगर में 8.4 डिग्री और चुरू में 8.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने बुधवार को भी जैसलमेर, बीकानेर, बाड़मेर, श्रीगंगानगर, जोधपुर, नागौर, अजमेर सहित कई जिलों में गर्जन और बूंदाबांदी का पूर्वानुमान जताया है। राजधानी जयपुर में बुधवार को हल्के बादल छाये रहे और रात को न्यूनतम तापमान 12.4 डिग्री सेल्सियस रहा।

राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति से मिलेगी विकसित राजस्थान की संकल्पना को गति : प्रेमचंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री व परिवहन एवं सड़क सुरक्षा मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि राजस्व लक्ष्यों की शत प्रतिशत प्राप्ती से विकसित राजस्थान की संकल्पना को गति मिलेगी। उन्होंने इसके लिए परिवहन अधिकारियों को फ़ील्ड में रहकर टीम भावना के साथ कार्य कर विभाग की छवि को बेहतर बनाने एवं पारदर्शिता और जीरो टॉलरेंस की नीति से कार्य करने के निर्देश दिये।

उपमुख्यमंत्री बुधवार को शासन सचिवालय में परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ राजस्व लक्ष्यों और उनकी प्राप्ती विषय पर आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने परिवहन अधिकारियों को बकाया कर वाले वाहनों की सूची तैयार करने, वाहन स्वामियों को नोटिस तामील करने के साथ ही परमिट निलंबन करने एवं भू राजस्व अधिनियम के तहत कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

बैठक में उपमुख्यमंत्री ने लक्ष्य से अधिक राजस्व अर्जन करने के लिए आरटीओ जयपुर -द्वितीय को उनके प्रयासों की प्रशंसा की। इसके साथ ही उपमुख्यमंत्री ने लक्ष्यों से कम राजस्व अर्जित करने वाले आरटीओ डीटीओ अधिकारियों से फीडबैक लेकर शतप्रतिशत राजस्व प्राप्ति के लिए कार्ययोजना बनाकर कार्य करने के निर्देश दिये।

बैठक में परिवहन एवं सडक़ सुरक्षा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती श्रेया गुहा ने क्षेत्रीय और जिला परिवहन अधिकारियों को अपने अधीनस्थ अधिकारियों के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने और शेष रहे दो माह में राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति के लिये कार्य योजना तैयार कर कार्य करने एवं लक्ष्यों की प्राप्ति नहीं होने की दशा में अनुशासनात्मक कार्यवाही के निर्देश भी दिये।

बैठक में परिवहन आयुक्त डॉ. मनीषा अरोड़ा ने सभी प्रादेशिक और जिला परिवहन अधिकारियों से राजस्व अर्जन के संबंध में फीडबैक लिया और उन्हें फील्ड में रह कर तय लक्ष्यों की प्राप्ति के निर्देश दिये। इस अवसर पर अतिरिक्त परिवहन आयुक्त (प्रवर्तन) श्रीमती रंजीता गौतम, वित्तीय सलाहकार महेंद्र सिंह भूकर, अतिरिक्त परिवहन आयुक्त मन्ना लाल सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रेमंचद की कहानी 'क्रिकेट मैच' पर फिल्म बनाना चाहते हैं विशाल भारद्वाज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। फिल्म निर्देशक, निर्माता और संगीतकार विशाल भारद्वाज प्रेमचंद की कहानी 'क्रिकेट मैच' पर फिल्म बनाने की ख्वाहिश रखते हैं और उनका कहना है कि अगर कभी कोई 'फाइनेंसर' मिला तो वह प्रेमचंद के साथ ही प्रसिद्ध हिंदी साहित्यकार शिवानी की किसी कहानी पर और महान उर्दू शायर मीर तकी 'मीर' पर 'गालिब' जैसी बायोपिक बनाना चाहेंगे।

'ओंकारा', 'मकबूल', 'सात खून माफ', 'कमीने' जैसी यादगार फिल्में बनाने वाले विशाल ने यहां संपन्न 17वें जयपुर साहित्योत्सव (जेएलएफ) में यह बात कही। भारद्वाज ने कहा कि उन्हें आजादी से पहले लिखी गई प्रेमचंद की यह कहानी इसलिए पसंद है कि यह क्रिकेट को केंद्र में रखकर लिखी गई है और इस खेल ने उनकी जिंदगी में भी बहुत बड़ी भूमिका अदा की है।

विशाल ने बताया कि इस कहानी में एक विदेशी युवती है जो भारत आकर भारतीयों को लेकर एक क्रिकेट टीम बनाती है और अंत में होता ये है कि टीम के सारे खिलाड़ी उस युवती से प्रेम करने लग जाते हैं।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हिंदी लेखकों में उन्हें शिवानी भी बहुत पसंद हैं और वह उनकी किसी कहानी को भी सुनहरे परदे पर उतारना चाहेंगें और साथ ही महान उर्दू शायर मीर तकी 'मीर' पर गालिब जैसी यादगार बायोपिक बनाने का भी उनका सपना है।

भारद्वाज ने अपने जीवन पर क्रिकेट के भारी प्रभाव का जिक्र करते हुए कहा कि क्रिकेट से उन्होंने एक बात सीखी कि आखिरी गेंद फेंके जाने तक मैच खत्म नहीं होता है। फिल्म इंडस्ट्री में गला काट प्रतिस्पर्धा, फिल्मों की सफलता-विफलता को प्रभावित करने वाली ताकतों संबंधी एक सवाल पर विशाल भारद्वाज ने कहा कि इस प्रकार की प्रवृति पहले भी कभी बालीवुड में नहीं रही लेकिन जहां तक किसी कलाकार या निर्देशक को 'चलाने या गिराने' की बात है तो यह किसी के हाथ में नहीं है।

उन्होंने कहा, जिस के सिर पर ऊपर वाले का हाथ होता है, उसे कोई रोक नहीं सकता। दर्शकों को पसंद आता है तो चलता है। फिल्म '12वीं फेल' की सफलता को फिल्मों के लिए 'एक उम्मीद की किरण' बताते हुए विशाल ने कहा कि आजकल ऐसी फिल्मों के लिए पैसा जुटाना बहुत मुश्किल है । हर कोई डरा रहता है, हर कोई इस खोज में लगा रहता है कि थियेटर में क्या चलेगा? यह फिल्म बॉक्स आफिस पर सत्तर करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर चुकी है।

25 वर्षीय महिला बोरवेल में गिरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के गंगापुर सिटी जिले के बामनवास थाना क्षेत्र में बुधवार को 25 साल की एक महिला खेत में बने कच्चे बोरवेल में गिर गई। बामनवास उपखंड अधिकारी अंशुल ने बताया कि बामनवास के गुडला गांव में महिला अपने घर के पीछे खेत में बने कच्चे बोरवेल में गिर गई है। महिला को सुरक्षित बाहर निकालने के प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि बोरवेल में मोबाइल की रोशनी करके देखने पर 95 फीट की गहराई में एक हाथ नजर आया है।

उन्होंने बताया कि महिला को बोरवेल में ऑक्सीजन पहुंचाने के प्रयास किये जा रहे है। राज्य आपदा मोचन बन और राष्ट्रीय आपदा मोचन बन (एनडीआरएफ) को सूचित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि महिला के परिजनों से प्रारंभिक बातचीत में पता चला कि महिला बीती रात से घर से गायब थी। महिला स्वयं बोरवेल में जा गिरी या उसे किसी ने गिराया है इसकी जांच की जा रही है।

उद्यानिकी खेती में किसानों को मिलेगा इजराइली तकनीक का लाभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में इजराइल के कृषि एवं उद्यानिकी में तकनीकी सहयोग हेतु कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने बुधवार को सचिवालय में इजराइल के राजदूत नाओर गिलोन और इजराइली प्रतिनिधि मण्डल के साथ विस्तृत चर्चा की। बैठक में प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी वैभव गालरिया और उद्यानिकी आयुक्त लक्ष्मण सिंह कुड़ी भी उपस्थित रहे।

राज्य में अंगूर व खजूर की खेती की संभावना और उच्च विद्युत चालकता (ई.सी.) एवं पी.एच. के जल से कृषि उत्पादन पर नवीन तकनीकी सहयोग के सम्बंध में डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने इजराइल के राजदूत के साथ हेतु विस्तृत चर्चा की। कृषि मंत्री ने सवाई माधोपुर में उत्पादित किये जा रहे अमरूद के प्रसंस्करण हेतु सहयोग की संभावना पर कार्य करने हेतु कहा। इजराइल के राजदूत द्वारा इस पर आश्वस्त किया गया कि वे इस पर कार्य कर शीघ्र ही अवगत करायेंगे।

बैठक के दौरान प्रमुख शासन सचिव ने इजराइल के तकनीकी सहयोग से स्थापित किये गये बस्सी एवं जयपुर में अनार, कोटा में सिट्रस तथा जैसलमेर में खजूर के उत्कृष्टता केन्द्रों की प्रगति से अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि इन केन्द्रों पर इजराइल के तकनीकी विशेषज्ञों की देख-रेख में लगभग 2 हजार 500 हैक्टेयर क्षेत्र में उन्नत कृषि तकनीक के माध्यम से अनार, संतरा एवं खजूर की खेती की जाकर लगभग 15 हजार कृषकों को प्रशिक्षित किया गया है तथा 7 लाख 70 हजार कृषकों को पौध रोपण सामग्री उपलब्ध करवाई गई है।

उत्कृष्टता केन्द्रों पर अपनाई जा रही तकनीक पर इजराइली प्रतिनिधि मण्डल ने संतोष जाहिर कर बताया कि इजराइल के सहयोग से स्थापित तीनों उत्कृष्टता केन्द्र कृषकों के हित में कार्य कर रहे है तथा इन केन्द्रों पर कृषकों को आवश्यक प्रशिक्षण दिया जा रहा है, साथ ही उच्च गुणवता युक्त पौध रोपण सामग्री कृषकों को उपलब्ध करवाई जा रही है।

राज्य में जल्द यूसीसी लागू करने की योजना : दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उत्तराखंड के बाद राजस्थान सरकार भी समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक लाने की योजना बना रही है। सूत्रों ने कहा कि राजस्थान में यूसीसी के लिए एक मसौदा समिति के गठन की घोषणा जल्द ही होने की संभावना है, इसके लिए आंतरिक तैयारी शुरू कर दी गई है। यूसीसी के लिए ड्राफ्ट समिति बनाने का प्रस्ताव जल्द ही कैबिनेट में पेश किया जा सकता है।

शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब पर प्रतिबंध की मांग को लेकर जयपुर में विरोध-प्रदर्शन करने वाली गुजरात की सामाजिक कार्यकर्ता तंजीम मेरानी को लिखे पत्र में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने यूसीसी लाने की बात कही।

अपने पत्र में उन्होंने कहा, समान नागरिक संहिता को लेकर एक मसौदा समिति बनाने का विषय जल्द ही मंत्रिपरिषद की बैठक में रखा जाएगा। संवैधानिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने मीडिया से कहा, पूरा देश एक होना चाहिए, एकरूपता होनी चाहिए। आज नहीं तो कल सरकार यूसीसी लाएगी। सूत्रों ने बताया कि यूसीसी बिल का मसौदा तैयार करने के लिए एक समिति बनाई जाएगी। इस कमेटी में मंत्री, कानूनी विशेषज्ञ और अधिकारी रखे जायेंगे. एक ड्राफ्ट तैयार किया जाएगा और उस पर जनता से सुझाव मांगे जाएंगे।

प्रदेश में रेल सुविधाओं के विस्तार के लिए बजटीय प्रावधान में वृद्धि पर आभार जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को नई दिल्ली में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, केन्द्रीय उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की। मुख्यमंत्री शर्मा ने गोयल से मुलाकात के दौरान प्रदेश में औद्योगिक विकास से जुड़ी संभावनाओं के बारे में चर्चा की। रेल मंत्री से मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय अंतरिम बजट में राजस्थान में रेलवे सुविधाओं के विकास, आधुनिकीकरण, रेलवे लाइन दोहरीकरण, आरओबी, आरयूबी सहित विभिन्न कार्यों के लिए पिछले बजट की तुलना में करीब साढ़े बारह प्रतिशत बढोतरी करते हुए 9714 करोड़ रुपए का प्रावधान करने के लिए उनका आभार प्रकट किया।

पांडवों ने कौरवों से सिर्फ पांच गांव मांगे थे, सनातन आस्था तो सिर्फ 'तीन' की बात कर रही है : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का जिक्र करते हुए काशी और मथुरा में मंदिर-मस्जिद विवाद की तरफ भी इशारा किया और कहा कि ''अयोध्या का मुद्दा जब लोगों ने देखा तो नंदी बाबा ने भी इंतजार किए बगैर रात में बैरिकेड तोड़वा डाले और अब हमारे कृष्ण कन्हैया भी कहां मानने वाले हैं। मुख्यमंत्री ने किसी का नाम लिए बगैर कहा कि पांडवों ने कौरवों से सिर्फ पांच गांव मांगे थे लेकिन सैकड़ों वर्षों से यहां की आस्था केवल तीन (अयोध्या, काशी और मथुरा) के लिए बात कर रही है।

आदित्यनाथ ने विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा में भाग लेते हुए अपने सम्बोधन में कहा, सदियों तक अयोध्या कुत्सित मंशा के लिए अभिशप्त थी और वह एक सुनियोजित तिरस्कार भी झेलती रही। लोक आस्था और जन भावनाओं के साथ ऐसा खिलवाड़ संभवत: दूसरी जगह देखने को नहीं मिला होगा। अयोध्या के साथ अन्याय हुआ। मुख्यमंत्री ने किसी का

नाम लिए बगैर कहा, जब मैं अन्याय की बात करता हूं तो हमें पांच हजार वर्ष पुरानी बात भी याद आने लगती है। उस समय पांडवों के साथ भी अन्याय हुआ था। उस समय कृष्ण कौरवों के पास गए थे और कहा था कि बस दे दो केवल पांच ग्राम, रखो अपनी धरती तमाम। लेकिन दुर्योधन वह भी दे ना सका। उन्होंने कहा, यही तो हुआ था अयोध्या के साथ। यही हुआ था काशी के साथ और यही हुआ था मथुरा के साथ भी। यहां की आस्था केवल तीन के लिए बात कर रही है। तीन के लिए भी इसलिए क्योंकि वे विशिष्ट स्थल हैं। वे सामान्य नहीं हैं। ईश्वर की धरती हैं। लेकिन एक जिद है और इस जिद में जब राजनीतिक तड़का पड़ने लगता है और वोट बैंक बनाने की राजनीति होने लगती है तो वहीं से विवाद की स्थिति खड़ी होने लगती है। आदित्यनाथ ने कहा, हमने तो केवल तीन जगह मांगी हैं। अन्य जगहों के बारे में कोई मुद्दा नहीं था। उन्होंने अयोध्या, काशी और मथुरा के मुद्दों को समेटते हुए कहा, अयोध्या का मुद्दा जब लोगों ने देखा तो नंदी बाबा ने भी कहा कि हम काहे इंतजार करें। उन्होंने भी इंतजार किए बगैर रात में बैरिकेड तोड़वा डाले और हमारे कृष्ण कन्हैया भी कहां मानने वाले हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, भारत के अंदर लोक आस्था का अपमान हो, बहुसंख्यक समाज गिड़गिड़ाए, यह पहली बार देखने को मिला। दुनिया देख रही है, स्वतंत्र भारत में यह काम पहले होना चाहिए था। वर्ष 1947 में प्रारंभ होना चाहिए था और उस आस्था के लिए गुहार लगाता रहा। आदित्यनाथ ने आरोप लगाते हुए कहा, विदेशी आक्रांताओं ने केवल इस देश के अंदर धन दौलत ही नहीं लूटी थी, बल्कि इस देश की आस्था को भी रोकने का काम किया था।

नीतीश कुमार ने की मोदी से मुलाकात, कुछ दिन पहले ही हुए थे राजग में शामिल

नई दिल्ली/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। यह जनता दल यूनाइटेड (जदयू) प्रमुख कुमार के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल होने और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ मिलकर बिहार में सरकार बनाने के बाद, दोनों नेताओं की पहली मुलाकात थी। यह बैठक कुमार के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा 12 फरवरी को विधानसभा में विश्वास मत का सामना करने से पांच दिन पहले हुई है।

बिहार में 28 जनवरी को महागठबंधन को छोड़कर राजग में लौटने के बाद जदयू के नेता कुमार राष्ट्रीय राजधानी के अपने पहले दौरे के दौरान भाजपा के अन्य शीर्ष नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा (दोनों भाजपा से) ने सोमवार को प्रधानमंत्री से मुलाकात की थी। जदयू सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री कुमार की भाजपा के शीर्ष नेताओं के साथ बैठक के दौरान राज्य में राज्यसभा चुनाव से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा हो सकती है। बिहार में राज्यसभा की छह सीट खाली हो रही हैं, जिनके लिए 27 फरवरी को चुनाव होना है।

दसवीं और 12वीं कक्षा के बोर्ड का विलय करके नया बोर्ड बनाएगी असम सरकार

गुवाहाटी/भाषा। असम सरकार ने माध्यमिक शिक्षा के प्रबंधन के लिए 10वीं और 12वीं कक्षा के राज्य बोर्ड का विलय करके एक नया बोर्ड बनाने का बुधवार को प्रस्ताव रखा। असम सरकार ने राज्य में 12वीं कक्षा तक की शिक्षा प्रणाली को नियंत्रित करने के लिए एक नया बोर्ड बनाने के लिए विधानसभा में 'असम राज्य विद्यालय शिक्षा बोर्ड विधेयक, 2024' पेश किया।

विधेयक के अनुसार, असम माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, असम (एसईबीए) और असम उच्चतर माध्यमिक शिक्षा परिषद (एएचएसईसी) का विलय करके एक नया बोर्ड 'असम राज्य विद्यालय शिक्षा बोर्ड' (एएसएसईबी) बनाया जाएगा। विधेयक के मुताबिक, यह विधेयक मौजूदा असम माध्यमिक शिक्षा बोर्ड और असम उच्चतर माध्यमिक शिक्षा परिषद का विलय करके राज्य में माध्यमिक शिक्षा को विनियमित, पर्यवेक्षण और विकसित करने के लिए लाया गया है। एएसएसईबी की अगुवाई सरकार द्वारा नामित एक अध्यक्ष करेगा। उनके अधीन प्रत्येक संभाग के लिए एक उपाध्यक्ष होगा और उसे सरकार द्वारा नामित किया जाएगा। नए बोर्ड में कुल 21 सदस्य होंगे, जिनका कार्यकाल तीन वर्ष का होगा और इसे इतनी ही अवधि के लिए नवीनीकृत किया जा सकेगा। पिछले साल नवंबर में मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की अध्यक्षता में राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में इस विलय का निर्णय लिया गया था।

मध्याह्न भोजन खाने से 184 छात्र पड़े बीमार, एनएचआरसी ने बिहार सरकार को नोटिस भेजा

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने बिहार के पश्चिम चंपारण जिले के एक स्कूल में मध्याह्न भोजन खाने के बाद 184 छात्रों के बीमार पड़ने के मामले में बुधवार को राज्य सरकार को नोटिस जारी किया। एनएचआरसी ने एक बयान में कहा कि आयोग ने चार सप्ताह के भीतर मामले में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। एनएचआरसी ने मीडिया की इस खबर पर स्वत: संज्ञान लिया है कि पश्चिम चंपारण के बांसगांव परसौनी में एक सरकारी स्कूल के 184 छात्र सोमवार को दोपहर का भोजन खाने के बाद बीमार पड़ गए।

बताया जाता है कि छात्रों ने भोजन से केरोसिन तेल की गंध आने की शिकायत की। बयान में कहा गया कि छात्रों ने पेट दर्द और उल्टी की भी शिकायत की जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। एनएचआरसी ने कहा, समाचार की सामग्री यदि सच है, तो छात्रों के मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन हुआ है। संबंधित घटना स्कूल अधिकारियों की ओर से निगरानी संबंधी चूक की ओर इशारा करती है, जिसके कारण बच्चों को शायद अस्वास्थ्यकर भोजन परोसा गया था। आयोग ने बिहार सरकार के मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के भीतर मामले में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

भगवान जगन्नाथ को 'उबला' चावल चढ़ाने को लेकर ओडिशा विधानसभा में हंगामा

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा विधानसभा में बुधवार को विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्यों ने हंगामा किया, जिसके कारण सदन की कार्यवाही कई घंटों तक बाधित रही। भाजपा सदस्यों ने आरोप लगाया कि प्राचीन परंपराओं को तोड़ते हुए पुरी मंदिर में भगवान जगन्नाथ के प्रसाद में 'उबला' चावल मिलाया जा रहा है। भाजपा विधायकों ने इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से जवाब मांगा और कहा कि इस कदम से लाखों श्रद्धालुओं की धार्मिक भावना को ठेस पहुंची है। भाजपा विधायकों ने आरोप लगाया कि श्री जगन्नाथ परिक्रमा प्रकल्प या हेरिटेज कॉरिडोर परियोजना के उद्घाटन के दौरान ओडिशा के विभिन्न गांवों में 'अर्पण रथ' के जरिए एकत्र चावल में 'उबला' चावल मिला था, जिसे भगवान जगन्नाथ को चढ़ाया गया। परंपरागत रूप से भगवान के प्रसाद में 'उबला' चावल का उपयोग नहीं किया जाता है।

विधानसभा की कार्यवाही शुरू होते ही भाजपा विधायक अध्यक्ष के आसन के सामने आ गए और हाथों में तख्तियां लेकर हंगामा करने लगे। उन्होंने इस मामले पर मुख्यमंत्री से बयान की भी मांग की। सदन में हंगामा को देखते हुए विधानसभा अध्यक्ष प्रमिला मलिक ने सदन की कार्यवाही पहले सुबह 11.30 बजे तक स्थगित कर दी। बाद में कार्यवाही शाम चार बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। शाम चार बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने पर भी भाजपा सदस्य आसन के सामने आ गए और मुख्यमंत्री से बयान की मांग करते हुए नारेबाजी करने लगे। प्रदर्शन कर रहे कई सदस्यों ने आसन के करीब जाने जाने का भी प्रयास किया लेकिन मार्शल ने उन्हें रोक दिया। इस दौरान विधायकों ने विधानसभाध्यक्ष से माइक छीन लिया।

बिहार विधानसभा अध्यक्ष ने कहा : पद नहीं छोड़ेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी ने बुधवार को नाराजगी जाहिर करते हुए यह स्पष्ट कर दिया कि वह 12 फरवरी को बजट सत्र शुरू होने से पहले अपने पद से इस्तीफा नहीं देंगे। प्रदेश की नवगठित राजग सरकार ने चौधरी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है। राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेता ने जोर देकर कहा कि वह 12 फरवरी को बजट सत्र शुरू होने से पहले त्यागपत्र नहीं देंगे। इसी दिन विधानसभा में नीतीश कुमार सरकार विश्वास मत हासिल करेगी।

चौधरी ने संवाददाताओं से कहा, मैं इस्तीफा नहीं देने जा रहा हूं। मैं 12 फरवरी को विधानसभा में रहूंगा और नियमों के मुताबिक सदन की कार्यवाही चलाऊंगा। उन्हें बताया गया कि महागठबंधन से प्रदेश में सत्ता छीनने वाले भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन के अनुसार अविश्वास प्रस्ताव लंबित होने पर कोई भी अध्यक्ष कुर्सी पर नहीं रह सकता। उन्होंने उत्तर दिया, नियमों के अनुसार, विधानसभा अध्यक्ष को अविश्वास प्रस्ताव नोटिस मिलने के 14 दिन के भीतर निर्णय करना चाहिए। यह नोटिस मुझे आज ही मिला है। राजग के पास मामूली बहुमत है और मुख्य विपक्षी दल के अध्यक्ष की अध्यक्षता में होने वाले शक्ति परीक्षण से सावधान है। हालांकि, भारतीय जनता पार्टी के नेता ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर कहा, चौधरी को यह पता होना चाहिए कि सदन के नेता के तौर पर, मुख्यमंत्री के पास यह तय करने की शक्ति है कि सदन के एजेंडे में पहले कौन सा काम शामिल किया जाए।

ओडिशा सरकार को 28 नए जिलों के गठन के प्रस्ताव मिले हैं : मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री सुदाम मरांडी ने बुधवार को विधानसभा में बताया कि राज्य सरकार को राज्य के 15 मौजूदा जिलों को पुनर्गठित करके 28 नए जिलों के गठन के प्रस्ताव मिले हैं। विधायकों एन. चरण माझी और कुसुम टेटे द्वारा पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए मंत्री ने विधानसभा को बताया कि सरकार नए जिलों के गठन की मांगों पर उचित समय पर उचित निर्णय लेगी।

विपक्ष ने महंगाई, गरीबी को लेकर सरकार पर साधा निशाना : कहा,

लोकलुभावन तस्वीर पेश करना बंद करें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार पर असलियत छिपाने और बेरोजगारी तथा महंगाई सहित विभिन्न समस्याओं का समाधान निकालने में नाकाम रहने का आरोप लगाते हुए विपक्ष ने बुधवार को कहा कि वह केवल लोकलुभावन तस्वीर पेश करती है वहीं सत्ता पक्ष ने दावा किया कि सरकार की मजबूत नीतियों की बदौलत ही देश आज समृद्धि की ओर अग्रसर है।

राज्यसभा में बुधवार को 'वर्ष 2024-25 के लिए अंतरिम केंद्रीय बजट, लेखनुदानों की मांगों, अनुदानों की अनुपूरक मांगों, जम्मू-कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र अंतरिम बजट, जम्मू-कश्मीर संघ

राज्य क्षेत्र के लिए लेखानुदानों की मांगों और जम्मू-कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगों' पर चर्चा हुई।

चर्चा की शुरुआत करते हुए वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के वी विजयसाई रेड्डी ने कहा कि 2004 से 2014 तक आर्थिक कुप्रबंधन किया गया उसकी वजह से देश का आर्थिक विकास बाधित हुआ। उन्होंने कहा कि वर्तमान में अर्थव्यवस्था की गति देख कर इस बात में कोई संदेह नहीं है कि भारत आने वाले समय में दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में से एक होगा। रेड्डी ने कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में थी तब मुद्रास्फीति की दर चरम पर थी। उन्होंने कांग्रेस को भ्रष्टाचार का पर्याय बताते हुए कहा कि कांग्रेस ने जनता के धन को अपना निजी धन समझा। उन्होंने कहा, बोफोर्स घोटाला, 2 जी घोटाला, राष्ट्रमंडल घोटाला, आदर्श घोटाला...और भी कई घोटाले कांग्रेस के शासनकाल में हुए। पार्टी ने देश के हितों को नहीं, अपने हितों को सबसे ऊपर रखा। तृणमूल कांग्रेस के जवाहर सरकार ने चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि बड़े बड़े दावे करने वाली सरकार न तो रोजगार दे पा रही है और न ही महंगाई कम कर पा रही है।

ईडी ने उत्तराखंड के पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत से जुड़े परिसरों पर धनशोधन मामले में छापे मारे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनशोधन की जांच के संबंध में बुधवार को कांग्रेस नेता एवं पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत से जुड़े परिसरों पर छापे मारे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

अधिकारिक सूत्रों ने बताया देहरादून में रावत के आवास सहित उत्तराखंड, दिल्ली और हरियाणा में कई स्थानों पर छापे मारे गए।

सूत्रों के अनुसार, दून इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के परिसर और वीरेंद्र कंडारी और नरेंद्र के. वालिया के तौर पर पहचाने गए व्यक्ति भी इस कार्रवाई के दायरे में आए।

रावत (63) ने 2022 के उत्तराखंड विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) छोड़ दी थी और कांग्रेस में शामिल हो गए थे। ईडी की जांच रावत और उनके सहयोगियों के खिलाफ दो अलग-अलग मामलों और आरोपों से जुड़ी है, जिसमें राज्य के कॉर्बेट बाघ अभयारण्य में पेड़ों की अवैध कटाई और निर्माण तथा नेता एवं उनके परिवार से जुड़े ट्रस्ट द्वारा संचालित एक शैक्षणिक संस्थान के लिए देहरादून जिले में भूमि ''धोखाधड़ी'' से हासिल करना शामिल है। उक्त भूमि को रावत की पत्नी दीप्ति रावत और कुछ अन्य व्यक्तियों द्वारा धोखाधड़ी से हासिल किया गया था और उस पर श्रीमती पूर्णा देवी मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा दून इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के लिए भवन का निर्माण किया गया था। उत्तराखंड सरकार के सतर्कता विभाग ने राज्य की पूर्ववर्ती भाजपा सरकार में राज्य के वन मंत्री के रूप में रावत के कार्यकाल के दौरान कथित बाघ अभयारण्य अनियमितताओं के संबंध में पिछले साल उनके खिलाफ छापेमारी की थी।

रावत पहले कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अलावा बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का भी हिस्सा रह चुके हैं। उन्होंने अविभाजित उत्तर प्रदेश में भाजपा के साथ अपना राजनीतिक करियर शुरू किया था, 1996 में बसपा में शामिल हुए और दो साल बाद कांग्रेस में चले गए।

कांग्रेस में 18 साल तक रहने के बाद, उन्होंने 2016 में भाजपा में शामिल होने के लिए उत्तराखंड की पूर्ववर्ती हरीश रावत सरकार के खिलाफ विद्रोह किया। उन्हें 2022 में भाजपा से निष्कासित कर दिया गया था क्योंकि उन्होंने विधानसभा चुनाव के लिए कथित तौर पर खुद के लिए और अपनी बहू के लिए पार्टी के टिकटों पर जोर दिया था।

मनरेगा को कमजोर करके मजदूरों के साथ अन्याय कर रही है भाजपा सरकार : प्रियंका

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के भुगतान से संबंधित राज्यों के बकाए का उल्लेख करते हुए बुधवार को आरोप लगाया कि केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार मनरेगा को कमजोर करके देश के मजदूरों के साथ अन्याय कर रही है।

प्रियंका गांधी ने एक खबर का हवाला देते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, मजदूर का पसीना सूखने से पहले उसे मजदूरी मिल जानी चाहिए। अमृतकाल में यह मुहावरा मजदूरों के लिए मजाक बनके रह गया है? खबरों के मुताबिक, 1 फरवरी तक राज्यों का 16,000 करोड़ का मनरेगा भुगतान बकाया है। मजदूरों के सामने बच्चे पालने का संकट है लेकिन सरकार को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री जी ने पहले मनरेगा को कांग्रेस की असफलता का स्मारक बताया, उसे बंद करने की कोशिश की। लेकिन जब जमीनी सच्चाई से रूबरू हुए तो इसे बंद नहीं कर पाए मगर लगातार बजट घटाया। इस बार भी मामूली बढ़ोतरी करके वाहवाही लूटने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि सच्चाई ये है कि बजट में आवंटित राशि 2023-24 के संशोधित बजट के बराबर ही है।

अयोध्या में हुआ जमीन का सबसे ज्यादा गोरखधंधा : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अयोध्या में जमीन का सबसे ज्यादा 'गोरखधंधा' किए जाने का आरोप लगाते बुधवार को दावा किया कि सरकार 14 कोसी और पंचकोसी मार्ग के चौड़ीकरण के दौरान अपने मकान और जमीन गवां रहे लोगों को मुआवजा नहीं दे रही है। उन्होंने विधानसभा के मौजूदा बजट सत्र में प्रस्तुत राज्यपाल के अभिभाषण को भी सच्चाई से दूर करार देते हुए विभिन्न शासकीय नियुक्तियों में पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों (पीडीए) की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

यादव ने विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान अयोध्या का जिक्र करते हुए आरोप लगाया, अयोध्या से ज्यादा जमीन का गोरखधंधा कहीं और नहीं हुआ। सत्ता के संरक्षण में रजिस्ट्री में अनियमितताएं हुईं। कुछ मिनट में ही कुछ करोड़ कमा लिए गए। उन्होंने कहा, उच्चतम न्यायालय का फैसला आने के बाद अयोध्या राम पथ के निर्माण में नया घाट के सआदतगंज तक मुआवजे के नाम पर अधिकारियों ने भारी लूट की है। व्यापारियों और आम जन का शोषण हुआ। मैं जानता हूं वहां पर बहुत सारे प्रतिष्ठित लोग मुझसे आकर मिले थे। यादव ने आरोप लगाते हुए कहा, हवाई अड्डे के निर्माण में किसानों को जमीन का सही मुआवजा नहीं दिया गया। माझा-बरेठा, माझा-जमथरा में किसान परेशान हैं। तीन-चार पीढ़ियां से लोग रह रहे थे। सरकार उनकी जमीन का मुआवजा नहीं दे रही है। चौदह कोसी और पंचकोसी मार्ग के चौड़ीकरण की जद में जिन लोगों के मकान और जमीन आ रहे हैं, उनको सरकार मुआवजा नहीं दे रही है। सपा अध्यक्ष ने चित्रकूट में भी 'डिफेंस कॉरिडोर' बनाने के लिए ली जा रही जमीन के एवज में किसानों को निर्धारित दर के मुकाबले पुरानी दर पर भुगतान किए जाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने विभिन्न सरकारी नियुक्तियों में पीडीए को उपेक्षित किए जाने का आरोप लगाते हुए कहा, आईएएस, आईपीएस और आईएफएस में पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों की कितनी भागीदारी है?

उदय सहारन ने कप्तानी और बल्लेबाजी में दिखाई मानसिक मजबूती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अंडर-19 विश्व कप में भारतीय टीम को फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाने वाले उदय सहारन ने अपनी बल्लेबाजी और कप्तानी में दबाव में ना बिखरने वाली मानसिक मजबूती दिखाई है।

पिछले साल जूनियर एशिया कप के चयन से पहले अंडर-19 चैलेंजर टूर्नामेंट में उनका बल्ला नहीं चल रहा था जिससे उनके पिता संजीव सहारन राष्ट्रीय टीम में इस खिलाड़ी की जगह को लेकर चिंतित हो गए थे। संजीव ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, उदय रन नहीं बना पा रहा था जिससे मैं

चिंतित था। वह हालांकि मुझसे कहता था कि 'पापा आप चिंता मत करिये, मैं लय हासिल कर लूंगा। इससे उदय का आत्मविश्वास झलकता था। मैं ऐसा इसलिए नहीं कह रहा हूं कि उदय मेरा बेटा है लेकिन आप 19 साल की उम्र में इस तरह की परिपक्वता की उम्मीद नहीं कर सकते हैं। सेमीफाइनल में मंगलवार को भारतीय टीम 245 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 32 रन पर चार विकेट गंवा कर मुश्किल में थी। सहारन (81) ने सचिन धास (96) के साथ पांचवें विकेट के लिए 171 रन की शानदार साझेदारी कर टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचाया। भारतीय टीम लगातार पांचवीं बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची है। उदय राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले के रहने वाले है लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर वह पंजाब का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनके पिता ने कहा, मैचों के दौरान वह श्री गंगानगर से बठिंडा तक की यात्रा करते हैं जो दो घंटे की ट्रेन यात्रा है। वह बठिंडा विश्वविद्यालय से बीकॉम द्वितीय वर्ष की पढ़ाई कर रहा है। वहां मेरा एक दोस्त था, जिसने सुझाव दिया कि उदय को क्रिकेट के लिए पंजाब के फाजिल्का में भेजा दिया जाए।

प्रधानमंत्री डरे हुए हैं क्योंकि जनता चुनाव में उन्हें सबक सिखाने वाली है : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राज्यसभा में उस पर किए गए तीखे प्रहार के बाद बुधवार को पलटवार करते हुए दावा किया कि मोदी इस बात को लेकर डरे हुए हैं कि आगामी लोकसभा चुनाव में जनता उन्हें सबक सिखाने जा रही है। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री ने मल्लिकार्जुन खरगे पर हमला करने का 'फैशन' बना लिया है तथा वह राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' से परेशान हैं।

राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने कांग्रेस को 'आउटडेटेड' और आरक्षण का 'जन्मजात विरोधी' बताया तथा उसके 'पतन' के लिए संवेदनाएं प्रकट करते हुए 'प्रार्थना' की कि वह अगले आम चुनाव में 40 सीट बचा ले। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' पर निकले

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और उन्हें 'कांग्रेस के युवराज' के नाम से संबोधित करते हुए उन्हें ऐसा 'नॉन स्टार्टर' बताया जो न तो 'लिफ्ट' हो पा रहे हैं और ना ही 'लांच'। वेणुगोपाल ने प्रधानमंत्री पर पलटवार करते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री ने मल्लिकार्जुन खरगे जी पर हमला करने का फैशन बना लिया है, जो एक कद्दावर नेता हैं, जो जमीन से उठकर नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष के पद तक पहुंचे हैं।

सुविचार

हमे ऐसी शिक्षा चाहिए जिससे चरित्र का निर्माण हो, मन की शक्ति बढ़े, बुद्धि का विकास हो और मनुष्य अपने पैर पर खड़ा हो सके।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ऐतिहासिक कदम

उत्तराखंड ने सामाजिक समानता और न्याय की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक का विधानसभा में पारित होना न केवल राज्य सरकार की, बल्कि उन सभी लोगों की जीत है, जो सामाजिक समानता और सुधारों के पक्षधर हैं। इससे अन्य राज्यों में भी यूसीसी लाने के लिए माहौल बनेगा, उनकी सरकारें उत्तराखंड के अनुभव का लाभ लेंगी। ज़रूरत पड़ने पर कुछ सुधार-बदलाव भी किए जा सकते हैं। इस बीच, कहीं-कहीं यूसीसी के विरोध में आवाजें उठ रही हैं। यह 'तर्क' दिया जा रहा है कि इससे देश की सामाजिक एवं सांस्कृतिक विविधता खतरे में पड़ सकती है! वास्तव में यूसीसी का इस बात से कोई लेना-देना नहीं है कि आप क्या खाते, क्या पहनते, कौनसी भाषा बोलते और किस धर्म का पालन करते हैं। तो सामाजिक एवं सांस्कृतिक विविधता के खतरे में पड़ने का सवाल कहां से पैदा हो गया? हां, इसमें विवाह, तलाक, भूमि, संपत्ति और विरासत से जुड़े अधिकारों में ज्यादा प्रासंगिकता एवं समानता लाने का मार्ग प्रशस्त किया गया है। सोशल मीडिया पर कुछ लोग दुर्भावनावश या अज्ञानवश यह अफवाह फैला रहे हैं कि यूनिफॉर्म सिविल कोड आने से सब लोगों को एक ही जैसी 'यूनिफॉर्म' पहननी होगी और धार्मिक पहनावे पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा! कहीं यह लिखा जा रहा है कि इससे अपनी धार्मिक परंपराओं के अनुसार विवाह जैसे संस्कार नहीं कर पाएंगे, सब काम अदालतों से होगा! ऐसी टिप्पणियां पूरी तरह निराधार हैं। यूसीसी द्वारा किसी के पहनावे और धार्मिक मान्यताओं में कोई हस्तक्षेप नहीं किया जाता है। इसके जरिए सामाजिक समानता लाने के लिए कानूनों का सरलीकरण किया गया है। यह लागू होगा तो विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, गोद लेने, भरण-पोषण आदि मामलों में महिलाओं को समान अधिकार मिलेंगे। क्या हमें 21वीं सदी में ऐसा कदम नहीं उठाना चाहिए?

याद करें, अंग्रेजों के राज में जब भारतवासी विदेशी शासकों के खिलाफ संघर्ष कर रहे थे, उस दौरान समाज-सुधारक भी सक्रिय थे। वे महिला शिक्षा की अलख जगा रहे थे। उन्होंने कई कुरीतियों का डटकर विरोध किया था। आज जब हम भारत के चंद्र मिशन, सौर मिशन समेत कई अंतरिक्ष अभियानों को सफल होते देख रहे हैं, जिनमें देश की बेटियों का बहुत बड़ा योगदान है, तो उनकी इस सफलता के पीछे उन सुधारकों की भी तपस्या है। कोई भी सुधार, चाहे वह प्रत्यक्ष सामाजिक सुधार हो या कानूनी तौर-तरीकों से लाया गया सुधार हो, उसका लाभ मिलने में समय लगता है। यह एक पौधे को सींचने जैसा है, जिसके वृक्ष बनकर फल देने तक किसान को धैर्य रखना होता है। वर्तमान की आवश्यकताओं और भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए विवेकपूर्ण तरीके से स्वस्थ व्यवस्थाओं को स्वीकार करना चाहिए। इसी का नाम यूसीसी है। सुधारों और स्वस्थ व्यवस्थाओं को अपनाने का अर्थ यह नहीं है कि हम धर्म से दूर हो जाएंगे। पिछले 500 वर्षों का ही इतिहास पढ़ें तो पाएंगे कि समाज में ऐसी कई परंपराओं का चलन था, जो उस ज़माने में प्रासंगिक रही होंगी, लेकिन उन्होंने धीरे-धीरे अपनी प्रासंगिकता खो दी। बाद में उन्हें सामाजिक सुधार या कानूनी तरीके से हटा दिया गया। उन्हें हटाने से संबंधित समुदाय की धार्मिक आस्था को कोई ठेस नहीं पहुंची। सुधारों का यह सिलसिला बुद्धि, विवेक और तर्क का उपयोग करते हुए भविष्य में भी जारी रहना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

हम बड़े धैर्य और नम्रता के साथ आपके एक-एक शब्द को सुनते रहे हैं। लेकिन आप आज भी न सुनने की तैयारी के साथ आए हैं। परंतु मेरी आवाज को आप दबा नहीं सकते। देश की जनता ने इस आवाज को ताकत दी है। इसलिए मैं भी इस बार पूरी तैयारी के साथ आया हूं।

-नरेन्द्र मोदी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक सत्यनारायण जी भाईसाहब के देवलोकगमन का समाचार अत्यंत दुखद है। ईश्वर पुण्य आत्मा को शान्ति प्रदान करें। राष्ट्र सेवा के लिए उनका समर्पण और संगठन के एक अनुशासित प्रचारक के रूप में उनका जीवन अनुकरणीय है।

-दीया कुमारी

आज नई दिल्ली स्थित माननीय प्रदेश अध्यक्ष श्री सीपी जोशी जी के निवास पर राजस्थान के ऊर्जावान सांसदों के साथ आयोजित बैठक में सम्मलित होकर प्रदेश से जुड़े विभिन्न जनहित विषयों सहित संगठनात्मक पहलुओं को लेकर सकारात्मक चर्चा की।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

क्रोध से अपयश

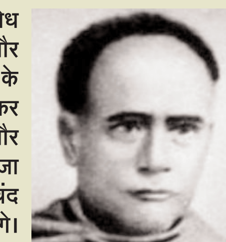

ईश्वरचंद विद्यासागर के साथ सदैव ही कुछ शोध छात्र रहते थे। विद्यासागर भुखमरी और अकाल से त्रस्त बंगाल के दूर-दराज के देहाती इलाकों में सेवा करने जा रहे थे। देहात आकर ईश्वरचंद विद्यासागर के आदेशानुसार भोजन और पेयजल वितरित किया जा रहा था। औषधि भी बांटी जा रही थी। कुछ वंचित और परेशान लोग ईश्वरचंद विद्यासागर के उस समूह पर झपटने और लपकने लगे। सभी शहरी शोधार्थी तुनक कर झुंझला गये। मगर ईश्वरचंद विद्यासागर के समझाने पर शांत हुए। 'ये लोग कब से जीवन और मृत्यु से जूझ रहे हैं। इनकी मानसिकता को समझो और क्रोध न करो। क्रोध करके आप वो सब खो देते हैं जो आपने इतनी देर शांत रहकर कमाया है। अतः अपने क्रोध को गुलाम बना कर रखिये, स्वामी नहीं।' ईश्वरचंद विद्यासागर के यह शब्द प्रेरक बने।

सामयिक

मोदी के आत्मविश्वास से भरा आमचुनाव का गणित

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई चर्चा के समय विपक्ष की ओर से उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मविश्वास एवं कर्मठता से भरकर कहा कि मैं ऐसे आँकड़ों में नहीं पड़ता लेकिन मैं देख रहा हूं कि देश का मिजाज भारतीय जनता पार्टी को 370 और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 400 से ज्यादा सीटें पार करवाकर रहेगा। भाजपा इस बार चुनावों में 400 पार का नारा दे रही है। 2019 चुनावों में भाजपा ने 303 सीटें जीती थीं। निश्चित ही इतने बड़े आंकडे की घोषणा करने के पीछे नरेन्द्र मोदी की सकारात्मक सोच, विकास की राजनीति एवं राष्ट्र-विकास का संकल्प है, वहीं विपक्ष एवं कांग्रेस की नकारात्मक सोच, विरोध के लिए विरोध और विभाजनकारी रवैया उसके लगातार कमजोर होने के कारण हैं। प्रधानमंत्री ने सीटों का जो आकलन किया है, वह सिर्फ इस बात का संकेत है कि भाजपा अपने तीसरे कार्यकाल को लेकर पूरी तरह आश्वस्त है। उन्होंने उन अटकलों पर भी विराम लगा दिया, जिनमें कहा जा रहा है कि इंडिया गठबंधन के रूप एकजुट हुआ विपक्ष उनको चुनौती देगा, क्योंकि विपक्षी एकजुटता बिखर चुकी है।

मोदी ने संसद के भीतर जब अपने चुनावी लक्ष्य की बात कही तो इसने भाजपा कार्यकर्ताओं को ऊर्जा से भर दिया, वहीं विपक्ष के सामने आत्मचिन्तन का अवसर प्रदत्त किया। कांग्रेस को 10 साल के दौरान अच्छा विपक्ष बनने का मौका मिला लेकिन इसमें वह पूरी तरह विफल रही। स्वयं तो विफल रही ही, बल्कि विपक्ष में भी कुछ होनहार लोगों को उभरने नहीं दिया। प्रधानमंत्री मोदी के इस विश्वास एवं दृढ़ता की अनेक वजहें है। एक बड़ी वजह हाल ही में साल 2023 के विधानसभा चुनावों में भाजपा की शानदार जीत दर्ज करना भी है। विशेषकर मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ का परिणाम तो कल्पना से भी बाहर था। दूसरी वजह, रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा ने लोगों में एक नए जोश का संचार किया है। अंतरिम बजट में ही जिस तरह से आने वाले कुछ महीनों को लेकर नीतियों का एलान किया गया है, वह संकेत है कि भाजपा अपनी जीत को लेकर काफी आश्वस्त है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में मोदी के नेतृत्व में ऐतिहासिक एवं चमत्कारी जीत की संभावनाओं की और भी वजहें हैं, जिनमें प्रधानमंत्री के कार्यकाल की सुखद एवं उपलब्धिभरी प्रतिध्वनियां हैं, जैसे चांद एवं सूर्य पर विजय पताका फहरा देने के बाद धरती को स्वर्ग बनाने की मुहीम चल रही है, राष्ट्रीय जीवन में विकास की नयी गाथाएं लिखते हुए भारत को दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनाने की ओर अग्रसर करना है। भारत अब विश्व-गुरु भी बनने की ओर गतिशील है। गत वर्ष 9 एवं 10 सितम्बर को जी-20 देशों का महासम्मेलन भारत में सफलतापूर्वक सम्पन्न होना भी भारत की विश्व स्तर पर मजबूत होने की स्थिति को दर्शा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस जिम्मेदारी को संभालने का अर्थ था भारत को सशक्त करने के साथ-साथ दुनिया को एक नया चिन्तन, नया आर्थिक धरातल, शांति एवं सह-जीवन की संभावनाओं को बल देना। नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा घोषित नई शिक्षा नीति की उपयोगिता एवं प्रासंगिकता धीरे-धीरे सामने आने लगी है एवं उसके उद्देश्यों की परते खुलने लगी है। भाजपा इसलिए भी आशान्वित है, क्योंकि जिस विपक्षी एकता की बात 2023 के मध्य से चल रही थी, उसमें दरारे पड़ती ही जा रही है। तमाम विपक्षी पार्टियां अपने-अपने ढंग से चुनाव लड़ने को तैयार हैं और कांग्रेस से उनकी खींचतान चल रही है। फिर, जहां-जहां भारतीय जनता पार्टी के लिए मुश्किलें खड़ी हो सकती थीं, वहां पार्टी ने अपने अनवरत प्रयासों से खुद को मजबूत बना लिया है, फिर चाहे वह महाराष्ट्र हो या बिहार।

कांग्रेस एवं विपक्षी दलों के पास भाजपा एवं मोदी विरोध का कोई सशक्त धरातल एवं मुद्दें नहीं है। वैसे तो हर एक का जीवन अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरा रहता है। लेकिन कांग्रेस का हर दिन कई विरोधाभासों के बीच बीत रहा है। कांग्रेस की उल्टी गिनतियां चल रही हैं। उसकी उल्टी गिनती तो लम्बी चलेगी। पर जनता के दिमाग में एक बात गहरे तक बैठी हुई है कि मोदी के नेतृत्व में सब कुछ बदल जाएगा, भारत सशक्त हो जायेगा, सब कुछ अच्छा हो जाएगा एवं सब कुछ श्रेष्ठ हो जाएगा। इसके विपरीत कांग्रेस की जनता पर पकड़ ढ़िली पड़ती जा रही है, उसके बयानों में कोई बुनियादी मुद्दें नहीं होते, बार-बार बेरोजगारी की चर्चा सुनने को मिलती है, जबकि 2014 से पहले इंफ्रास्ट्रक्चर का बजट केवल 12 लाख करोड़ के आसपास था। बीते 10 सालों में बजट बढ़कर 44 लाख करोड़ हो गया है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश में कितनी नौकरियां पैदा हुई होंगी। आज युवाओं के लिए जितने नए अवसर बने हैं, ये पहले कभी नहीं बने। आज चारों तरफ स्टार्टअप्स की गूंज है, यूनिकॉर्न्स चर्चा में है। 2014 के पहले डिजिटल इकोनॉमी का साइज ना के बराबर था। आज भारत, दुनिया की अग्रणी डिजिटल इकोनॉमी है। लाखों युवा इससे जुड़े हैं और उनके सपनों को पंख लगे हैं।

मोदी ने अपने अब तक के कार्यकाल में जता दिया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति वाली सरकार अपने फैसलों से कैसे देश की दशा-दिशा बदल सकती है। कैसे राष्ट्र की सीमाओं को सुरक्षित रखते हुए पडौसी देशों को चेता सकती है, कैसे स्व-संस्कृति एवं मूल्यों को बल दिया जा सकता है। काशी हो या अयोध्या या ऐसे ही धार्मिक एवं सांस्कृतिक क्रांति के परिदृश्य- ये अजूबे एवं चैंकाने वाले लगते हैं। अयोध्या से नरेन्द्र मोदी ने जो संदेश दिया है, उसे केवल चुनावी नफा-नुकसान के नजरिये से नहीं देखना चाहिए, बल्कि एक सशक्त होते राष्ट्र के नजरिये से देखा जाना चाहिए। उनका यह कहना खास मायने रखता है कि सदियों की गुलामी के चलते भारत को जिस हीनभावना से भर दिया गया था, आज का भारत उससे बाहर निकल रहा है। यह स्थिति आगामी लोकसभा चुनाव की जमीन बनेगी। स्पष्ट है, आम चुनाव में अब बहुत दिन शेष नहीं है, और दोनों मोर्चों की बिसात कमोबेश बिछ चुकी है। हालांकि, एक तरफ भाजपा जैसा सुगठित दल हैं, जिसके पास मोदी जैसा एक मजबूत नेतृत्व और स्पष्ट नजरिया है। जबकि उसे चुनौती देने वाले मोर्चे में फिलहाल काफी उथल-पुथल है। ऐसे में, यदि विरोधी खेमा नहीं चेता, तो प्रधानमंत्री ने जिन आंकड़ों के साथ जीत का दावा किया, वह यदि सच हो जाए, तो आश्चर्य नहीं होगा।

प्रधानमंत्री पिछले 10 वर्षों के दौरान हासिल अपनी सरकार की उपलब्धियां न गिनाकर, विपक्ष और खासकर कांग्रेस पर तंज के तीर बरसाए, इसके पीछे उनका स्पष्ट राजनीति मकसद रहा है। प्रधानमंत्री मोदी यह बखूबी जानते हैं कि अपने प्रतिपक्षी को कभी कमतर नहीं आंकना चाहिए, फिर अगले लोकसभा चुनाव के महासंग्राम में जिस पार्टी से उनका सबसे अधिक सीटों पर आमना-सामना होना है, उसकी कमियों, उसके अंतर्विरोधों, उसकी नाकामयाबियों एवं नकारात्मक सोच को देश की जनता के सामने रखना अधिक प्रभावी एवं मनोवैज्ञानिक तरीका है, उस पर दबाव बनाने एवं उसे कमजोर साबित करने का। मोदी इसमें माहिर है एवं राजनीतिक परिवक्वता से भरे हैं।

मुद्दा

भतीजे ने 'चाणक्य चाचा' के हाथ से छीनी पार्टी

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

महाराष्ट्र में भतीजे ने ''चाणक्य चाचा'' को सियासी पटकनी लगाकर उनके द्वारा स्थापित पार्टी को छीन लिया है। चुनाव आयोग ने भतीजे अजित पवार को एनसीपी का असली हकदार घोषित कर दिया है। राजनीति के चाणक्य और चाचा शरद पवार की यह सबसे बड़ी हार हुई है। अजित पवार ने जुलाई 2023 में अपने चाचा शरद पवार से बगावत कर 40 विधायकों के साथ महाराष्ट्र की शिंदे सरकार में शामिल हो गए थे। इसके बाद गठबंधन सरकार में उन्हें डिप्टी सीएम बनाया था। चुनाव आयोग ने मंगलवार को एनसीपी के अजित पवार गुट के पक्ष में फैसला सुनाकर पार्टी अध्यक्ष शरद पवार को बड़ा झटका दे दिया। चुनाव आयोग के इस फैसले के बाद एनसीपी और उसके घड़ी चुनाव चिन्ह पर अजित पवार गुट का हक होगा। शरद पवार गुट को अपने लिए नई पार्टी और चुनाव चिन्ह इस्तेमाल करना होगा। चुनाव आयोग के फैसले में कहा गया है कि अजित पवार गुट को संगठनात्मक बहुमत मिला है। वहीं शरद पवार गुट बहुमत साबित करने में कामयाब नहीं हो सके। सियासत में चाचा भतीजे के जंग की यह नई घटना नहीं है। इससे पूर्व भी चाचा भतीजे को सियासी वर्चस्व की लड़ाई लड़ते देखा गया है। मगर राजनीति के चाणक्य माने जाने वाले कद्दावर नेता शरद पवार के हाथ से उसकी बनाई पार्टी यूं साथ छोड़ देगी ऐसा उदहारण मिलना मुश्किल है। आज हम देश के अनेक चाचा भतीजों के सियासी जंग की चर्चा करना चाहते है। देश के कई रसूखदार राजनीतिक परिवारों में सत्ता संग्राम होते हुए देखा गया है। मगर चाचा भतीजों की लड़ाई बेहद दिलचस्प है। राजनीति के परिवार विशेष के नियंत्रण में चलने वाली पार्टियों में इस तरह की टूट देखने को मिलती ही मिलती हैं। सियासत में चाचा भतीजे की कहानियां भी अजब गजब के रूप में याद की जाती है। अजित पवार और शरद पवार की तरह पार्टी पर कब्जे को लेकर देश में ऐसे कई चाचा-भतीजे के मतभेद सामने आए है। शरद पवार-अजित पवार, चिराग पासवान-पशुपति पारस, राज ठाकरे-बाल ठाकरे, गोपीनाथ मुंडे-धनंजय, प्रकाश सिंह बादल-मनप्रीत बादल, अभय चौटाला-दुष्यंत चौटाला, अखिलेश और शिवपाल की कहानियां लोग चटकारे लेकर सुनते और सुनाते है। महाराष्ट्र में चाचा शरद पवार और भतीजे अजित पवार के बीच वर्चस्व की लड़ाई लड़ी जा रही है। महाराष्ट्र में ही शिवसेना प्रमुख दिवंगत बाल साहेब ठाकरे के भतीजे राज ठाकरे ने उनकी पार्टी शिवसेना से बगावत कर दूसरी पार्टी मनसे बना ली। चचेरे भाई उद्धव ठाकरे को ज्यादा तरजीह मिलने लगा तब नवंबर 2005 में राज ठाकरे ने शिवसेना छोड़ने का ऐलान कर दिया। मार्च 2006 में उन्होंने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना का गठन किया। बड़े ठाकरे ने अपने बेटे उद्धव को सियासत की चाबी सौंप कर भतीजे की बलि ले ली। बिहार में लोकजनशक्ति पार्टी के प्रमुख दिवंगत रामविलास पासवान के बाद चाचा और भतीजे में पार्टी पर कब्जा करने केलिए संघर्ष हुआ। जिसके चलते पासवान की दो खेमों में बंट गई। उत्तरप्रदेश में चाचा शिवपाल और भतीजे की लड़ाई पिता मुलायम के सामने ही शुरू हो गई थी। राजनीति में चाचा भतीजे की लड़ाई में कुछ दिनों पहले तक शिवपाल यादव और अखिलेश यादव की चर्चा काफी थी। हालांकि अभी दोनों साथ हैं। पंजाब में प्रकाश सिंह बादल और मनप्रीत बादल के रूप में चाचा-भतीजे की जोड़ी कभी बहुत हिट रही थी। मनप्रीत सिंह बादल पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और शिरोमणि अकाली दल के दिग्गज नेता प्रकाश सिंह बादल के भाई गुरदास सिंह बादल के बेटे हैं। 1995 में मनप्रीत पहली बार विधायक बने। अकाली दल के टिकट पर 2007 तक लगातार 4 बार विधायक चुने गए। 2007 में पंजाब की प्रकाश सिंह बादल सरकार में वित्त मंत्री भी बने लेकिन धीरे-धीरे बादल फैमिली में भी खींचतान शुरू हो गई। अक्टूबर 2010 में उन्हें पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में अकाली दल से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया।

मंथन

हेमंत की गिरफ्तारी पर राजनीतिक बवंडर का सच

अवधेश कुमार
मोबाइल -98110 27208

पद पर रहते हुए प्रवर्तन निदेशालय या ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने वाले हेमंत सोरेन पहले मुख्यमंत्री बन गए हैं। हालांकि उनकी गिरफ्तारी के पहले और मुख्यमंत्री के रूप में चंपई सोरेन के शपथ ग्रहण तक और उसके बाद जिस तरह के राजनीति हुई उसका भी गहराई से विश्लेषण किया जाना जरूरी है। वातावरण ऐसा बनाया गया मानो पूरा राजनीतिक संकट भाजपा, केंद्र सरकार और उसके इशारे पर राज्यपाल ने पैदा कर दिया है। चंपई सोरेन के शपथ ग्रहण के बावजूद विधायकों को हैदराबाद ले जाने का अर्थ क्या है? हेमंत सोरेन भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार हुए और उन्हें इसका आभास भी था। बावजूद त्यागपत्र देकर किसी दूसरे को मुख्यमंत्री नहीं बनने दिया। इसका मतलब उनकी पार्टी और गठबंधन में ही द्वंद्व था। उनकी गिरफ्तारी आसानी से हुई भी नहीं। स्वयं को निर्दोष साबित करने के लिए उन्होंने वीडियो भी जारी किया। गिरफ्तारी के पहले के इस वीडियो संदेश में उन्होंने स्वयं को निर्दोष बताते हुए कहा था कि उन्हें पता है कि ज्यादा समय नहीं मिलेगा। सच यह है कि उन्होंने ईडी की कार्रवाई और गिरफ्तारी से बचने के लिए जितना संभव था वह सब किया। दिल्ली स्थित अपने घर की तलाशी के मामले को उन्होंने अनुसूचित जाति -जनजाति कानून के अंदर रांची में मुकदमा भी ईडी टीम के विरुद्ध दर्ज कर दिया। उस मुकदमे में आरोप लगाया गया कि परेशान करने और छवि खराब करने के लिए तलाशी हुई थी। आखिर रांची और दिल्ली स्थित उनके घर की छापामारी में अनुसूचित जाति जनजाति कानून कहां से आ गया? ईडी की मानें तो उन्होंने गिरफ्तारी टालने का प्रयास किया और गिरफ्तारी मेमो पर भी हस्ताक्षर करने से मना कर दिया था। उन्होंने ईडी के सम्मन के विरुद्ध झारखंड उच्च न्यायालय में भी याचिका दायर की जिसमें कहा कि एजेंसी जांच में मदन मदद न करने के आरोप में गिरफ्तार कर रही है जबकि उच्चतम न्यायालय का आदेश है कि इस आधार पर किसी को गिरफ्तार नहीं किया जा सकता। ईडी का कहना है कि उन्हें 8:30 बजे रात्रि में गिरफ्तारी मेमो दिया गया लेकिन उन्होंने राज्यपाल को त्यागपत्र सौंपने के बाद ही उन्होंने मेमो पर हस्ताक्षर किए।

उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शक्ति के आधार पर स्वयं को बचाने का पूरा प्रयास किया। हेमंत की गिरफ्तारी रांची जमीन घोटाला मामले में हुई है। इसमें ईडी ने उन्हें पूछताछ के लिए 10 सम्मन भेजे। सातवीं बार सम्मन भेजते समय ईडी ने लिखा कि या तो आप पूछताछ के लिए आएं या हम आपके पास पहुंचेंगे। उसके बाद आठवें सम्मन में हेमंत ने ईडी को पूछताछ के लिए समय दिया था। 20 जनवरी को ईडी ने उनसे 7 घंटे तक पूछताछ की। उसके बाद 31 जनवरी को उनसे दोबारा पूछताछ हुई। 29 जनवरी को उनके दिल्ली और झारखंड आवास तथा झारखंड भवन में छापेमारी की गई पर हेमंत कहीं नहीं मिले। ईडी ने उनके घर से एक बीएमडब्ल्यू कर तथा 36 लाख नगद बरामद कर ले जाने की बात कही है। इसके पूर्व साहिबगंज में 1250 करोड़ के अवैध पत्थर खनन मामले में भी ईडी ने हेमंत से 17 नवंबर 2022 को 9 घंटे की पूछताछ की थी। इसमें उनसे उनकी पूरी संपति का ब्यौरा मांगा था।

राजद और कांग्रेस सहित कई विपक्षी दल इसे जानबूझकर राजनीतिक प्रतिशोध के लिए बनाया गया फर्जी मामला बता रहे हैं। हेमंत दोषी हैं या नहीं यह तो न्यायालय के फैसले से तय होगा किंतु अभी तक की जांच और सामने आए तथ्य बहुत बड़े भ्रष्टाचार के प्रमाण देते हैं। ध्यान रखिए, रांची में सेना के उपयोग करने लायक 4.55 एकड़ जमीन की गैर कानूनी तरीके से खरीद बिक्री के मामले में दर्ज प्राथमिक से यह जांच शुरू हुई थी। इस मामले को हाथ में लेने के बाद ही ईडी ने जांच आगे बढ़ाई। हेमंत सोरेन इस मामले में गिरफ्तार होने वाले पहले व्यक्ति नहीं है। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी अनेक अधिकारी, दलाल, व्यवसायी आदि गिरफ्तार हुए जिसमें रांची के उपा युक्त रहे छवि रंजन शामिल थे। रांची के बरगे अंचल के राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद के आवास से भारी संख्या में दस्तावेज बरामद हुए। इनके आधार पर प्रेम प्रकाश नामक एक व्यक्ति की भूमिका सामने आई जो हेमंत सोरेन का काफी करीबी था। उसे सत्ता की जानकारी रखने वाले हमेशा सत्ता का दलाल मानते थे। ईडी ने हेमंत की गिरफ्तारी के पहले 41 स्थानों पर छापामारी और पांच जगह पर सर्वे किया। छापेमारी में भू राजस्व विभाग के जाल मोहरे, जाली भू दस्तावेज, धोखेबाजों के बीच अपराध की कमाई के बंटवारे के प्रमाण, धोखाधड़ी करने से संबंधित तस्वीरें तथा अधिकारियों को रिश्वत देने के प्रमाण आदि जुटाए गए।

जो नेता स्वयं भ्रष्टाचार के आरोपों में फंसे हैं या जेल जा चुके हैं वह सब हेमंत सोरेन के साथ खड़े होकर एकता दिखा रहे हैं। निस्संदेह, भारतीय जांच एजेंसियां अपनी शक्ति का दुरुपयोग भी करती रही हैं और सरकारी विरोधियों के विरुद्ध इनका इस्तेमाल भी। किंतु इस मामले के तथ्य जानने के बाद को यह निष्कर्ष नहीं निकलता की हेमंत सोरेन पूरी तरह पाक साफ है और उनकी गिरफ्तारी झारखंड मुक्ति मोर्चा को कमजोर कर सत्ता पाने के लिए की गई है। अगर हेमंत सोरेन को एड शिकायत थी इतने शक्तिशाली नेता के लिए न्यायालय के दरवाजे 24 घंटे खुले रहते हैं। उन्होंने पहले न्यायालय में मामला ले जाने की कोशिश क्यों नहीं की? भाजपा केंद्र के शासन में है तथा झारखंड में मुख्य विपक्ष। ऐसी पार्टी इस तरह की घटनाओं के प्रति आंख मूंद कर चुपचाप नहीं रह सकती। भाजपा की जगह दूसरी पार्टी होती वह भी इसके विरुद्ध अभियान चलाती तथा राजनीति करती। किंतु इस संकट के लिए और राज्यपाल को या भाजपा को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। राजनीतिक संकट केवल इस कारण पैदा हुआ क्योंकि हेमंत सोरेन अंत अंत तक मुख्यमंत्री पद छोड़ने को तैयार नहीं थे। जब उन्हें अपनी गिरफ्तारी का आभास हो गया तभी उन्होंने पहले अपनी पत्नी कल्पना सोरेन को मुख्यमंत्री बनाने की कोशिश की, लेकिन कहा जा रहा है कि परिवार के अंदर से विरोध होने या फिर पार्टी में भविष्य में बगावत की संभावना को देखते हुए उन्होंने कदम वापस लिया तथा चंपई सोरेन को विधायक दल का नेता चुना गया। उनके पिता है एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक शिबू सोरेन सहित परिवार के लोग ही अगले मुख्यमंत्री के नाम पर एकमत नहीं हो रहे थे।

झारखंड राज्य के रूप में अस्तित्व में आने के साथ ही सरकारों के असमय अंत के लिए कुख्यात है इसलिए भय पैदा हो रहा था कि किसी अन्य के हाथों नेतृत्व सौंपने पर सरकार गिर सकती है। भाजपा के अधिकृत प्रवक्ता स्पष्ट कह रहे थे कि उन्हें जनता ने विपक्ष में बैठने का जनादेश दिया है और उनके पास सरकार बनाने का अंक गणित नहीं है। भाजपा ने सरकार बनाने का दावा भी नहीं किया। हेमंत सोरेन पर न्यायालय अंतिम फैसला क्या देता है इसे अभी परे रखते है। यहां इस पर विचार करिए कि जनजाति समाज का एक परिवार आखिर कोई बड़ा व्यावसायिक घराना न होने के बावजूद उतने ही ऊंचे स्तर का जीवन कैसे जीता है? उनके घर, रहन-सहन से लेकर चार्टर प्लेन से चलने आदि उनकी ऐसी संपन्नता के प्रमाण देते हैं जिनके लिए वैध आय दिखा पाना संभव नहीं। जो लोग हेमंत सोरेन को निर्दोष बता रहे हैं उनमें से ज्यादातर स्वयं भ्रष्टाचार में लिप्त हैं और वह सब झारखंड की आम जनता के साथ धोखा करने वालों के पक्ष में खड़े हैं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

श्रीलंका के आर्थिक विकास के लिए विदेशी संबंधों का पुनर्मूल्यांकन महत्वपूर्णः राष्ट्रपति विक्रमसिंघे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलंबो/भाषा। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने भूराजनीतिक रुझानों के अनुरूप श्रीलंका के विदेशी संबंधों का ''पुनर्मूल्यांकन'' करने और दिवालिया राष्ट्र के लिए अधिकतम आर्थिक लाभ की आवश्यकता को बुधवार को रेखांकित किया।

राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने संसद के नए सत्र के उदघाटन पर अपने नीतिगत भाषण के दौरान कहा कि इसके प्रमुख घटक के रूप में भारत के सहयोग से त्रिंकोमाली को आर्थिक केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए एक कार्यक्रम पहले ही शुरू किया जा चुका है।

विक्रमसिंघे ने कहा, मौजूदा जरूरतों और भूराजनीतिक रुझानों के मद्देनजर हमारे विदेशी संबंधों का पुनर्मूल्यांकन करना जरूरी है। विदेशी संबंधों पर नए सिरे से गौर करते हुए आर्थिक संभावनाओं का लाभ उठाने को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा, इसलिए, देश की आर्थिक ताकत को बढ़ाने वाली नई विदेश नीतियों को अपनाना और सभी राष्ट्रों के साथ गुटनिरपेक्ष नीतियों और मित्रता को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है। हमारी विदेश नीति की दिशा समसामयिक युग के अनुरूप विकसित हो रही है।

विक्रमसिंघे ने उत्पादों को विदेशी बाजारों में प्रवेश की सुविधा प्रदान करने को लेकर आर्थिक संबंधों का नया नेटवर्क स्थापित करने की दिशा में अब तक उठाए गए कदमों को रेखांकित किया और कहा कि लक्ष्य कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) करना है।

श्रीलंका के विदेश मंत्री अली साबरी ने मंगलवार को कहा था कि देश की 2024 के अंत तक भारत के साथ एफटीए स्थापित करने की योजना है, जबकि इंडोनेशिया, मलेशिया, वियतनाम और चीन के लिए भी साल के अंत तक इसी तरह के मुक्त व्यापार समझौते पर काम किया जाएगा।

हाल में थाईलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए गए और सिंगापुर के साथ मुक्त व्यापार समझौता पूरी तरह से चालू है।

राष्ट्रपति ने कहा कि श्रीलंका को भी क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी (आरसीईपी) में शामिल होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, हम यूरोपीय संघ (ईयू) में व्यापार विविधता की सामान्य प्रणाली से जुड़ेंगे।

श्रीलंका और भारत ने पिछले साल अक्टूबर में कोलंबो में 12वें दौर की आर्थिक और प्रौद्योगिकी सहयोग समझौते पर बातचीत फिर से शुरू की। राजनीतिक स्तर पर और ट्रेड यूनियन के विरोध के कारण 2016 और 2018 के बीच कई दौर की बातचीत के बाद वार्ता रुक गई थी।

मुलाकात

नई दिल्ली में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी बुधवार को नई दिल्ली में चल रहे बजट सत्र के दौरान संसद भवन परिसर में।

राष्ट्रपति मुर्मू ने दिल्ली मेट्रो में यात्रा की

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को दिल्ली मेट्रो में यात्रा की। राष्ट्रपति पद संभालने के बाद मुर्मू ने पहली बार मेट्रो ट्रेन में सफर किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मुर्मू दिल्ली मेट्रो से यात्रा करने वाली भारत की दूसरी सेवारत राष्ट्रपति हैं। वर्ष 2012 में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल ने भी मेट्रो में सफर किया था।

राष्ट्रपति भवन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति मुर्मू ने दिल्ली मेट्रो में यात्रा की और यात्रा के दौरान स्कूली बच्चों से बातचीत की। इसने कहा कि राष्ट्रपति मुर्मू ने अमृत उद्यान आने वाले आगंतुकों के लिए केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन (गेट नंबर 4) और अमृत उद्यान (गेट नंबर 35) के बीच एक शटल बस सेवा को भी हरी झंडी दिखाई, जो सुबह 9.30 बजे से शाम पांच बजे तक हर 30 मिनट में चलती है। अधिकारियों ने बताया कि ट्रेन में छात्रों से बातचीत के दौरान मुर्मू ने उनसे उनकी करियर योजनाओं के बारे में पूछा।

अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने दिल्ली मेट्रो की वॉयलेट लाइन पर यात्रा की, जो कि कश्मीरी गेट और फरीदाबाद में राजा नाहर सिंह (बल्लभगढ़) के बीच संचालित होती है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन पर मेट्रो ट्रेन में सवार हुईं और नेहरू प्लेस मेट्रो स्टेशन तक यात्रा की तथा फिर केंद्रीय सचिवालय वापस आ गईं। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) के प्रबंध निदेशक विकास कुमार यात्रा के दौरान राष्ट्रपति के साथ थे। कुमार ने राष्ट्रपति को डीएमआरसी के कामकाज के विभिन्न पहलुओं के बारे में बताया और निर्माण परियोजनाओं के बारे में भी जानकारी दी। राष्ट्रपति ने एनसीएमसी (नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड) रुपे कार्ड का इस्तेमाल करके यात्रा की। मुर्मू ने आगंतुक पुस्तिका में की गई अपनी टिप्पणियों में दिल्ली मेट्रो की सराहना की और यात्रा को सुखद बताया। उन्होंने कहा कि दिल्ली मेट्रो आज दुनिया की सबसे आधुनिक और कुशल जन परिवहन प्रणालियों में से एक मानी जाती है।

हर क्षेत्र में परिवर्तन का नेतृत्व कर रही भारतीय महिलाएं : एनसीडब्ल्यू अध्यक्ष रेखा शर्मा

कोहिमा/भाषा। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने बुधवार को यहां कहा कि भारतीय महिलाएं हर क्षेत्र में परिवर्तन लाने वाली भूमिकाएं निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि सामाजिक मानसिकता में बदलाव के कारण ही महिलाएं घर बैठे भी कुछ नया सीखने का प्रयास कर रही हैं।

एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, महिलाएं अब समाज में बदलाव ला रही हैं और यह बदलाव सिर्फ बेहतरी के लिए नहीं बल्कि समाज के हर तबके, फिर चाहे वह उद्यमिता हो, स्टार्ट-अप हो, खुद का व्यवसाय हो, सेवा हो, कंपनियों के सीईओ का पद हो या फिर गृहिणी -सभी में महिलाएं परिवर्तन की भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा, जब प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से महिला सशक्तिकरण की बात की तो आसपास की चीजें बदलने लगीं और हमने देखा कि पिछले नौ वर्षों में चीजें सकारात्मक रूप से बदली हैं।

महिलाओं के खिलाफ अपराध की बढ़ती दर के बारे में पूछे जाने पर शर्मा ने कहा कि लोग कह रहे हैं कि डेटा में वृद्धि के कारण महिलाओं के खिलाफ अपराध में वृद्धि नजर आ रही है।

उन्होंने कहा कि अतीत में कुर्सी पर बैठे लोग उनके पास आने वाली महिलाओं की बात नहीं सुना करते थे लेकिन अब वे प्रत्येक प्राथमिकी दर्ज कर रहे हैं और इस तरह महिलाओं के खिलाफ अपराध के आंकड़ों में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, कार्यस्थल या फिर किसी भी स्थान पर उत्पीड़न का सामना करने के बावजूद महिलाएं सामने नहीं आ रही थीं। उन्होंने कहा कि अब अधिक महिलाएं सामने आ रही हैं और अपनी समस्याओं के बारे में बात कर रही हैं और इसे एक सकारात्मक संकेत के रूप में लिया जाना चाहिए।

महिलाओं को सामने आकर अपनी समस्याओं के बारे में बात करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि एक बार जब वे बोलना शुरू करेंगी तो शीर्ष पर बैठे लोग उन समस्याओं पर काम करना शुरू कर देंगे।

मुलाकात

कांग्रेस नेता राहुल गांधी बुधवार को राउरकेला में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान समर्थकों से मिलते हुए।

प्यारेलाल को पद्मभूषण देने पर लक्ष्मीकांत की बेटी ने कहा, 'दोनों को मिलना चाहिए पुरस्कार'

मुंबई/भाषा

मशहूर संगीतकार लक्ष्मीकांत की बेटी ने मंगलवार को कहा कि लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल की जोड़ी ने 700 से अधिक फिल्मों में संगीत दिया और वह प्यारेलाल को पद्मभूषण दिए जाने के फैसले का स्वागत करती हैं लेकिन उनके दिवंगत पिता को भी यह सम्मान मिलना चाहिए। लक्ष्मीकांत के परिवार ने मामले को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को पत्र भी लिखा है।

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर भारत के तीसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्मभूषण के लिए प्यारेलाल को नामित किया गया था, जो दिग्गज संगीतकार जोड़ी लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल का एक हिस्सा रहे हैं। राजेश्वरी लक्ष्मीकांत ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''हम बहुत खुश हैं कि प्यारेलाल अंकल को आखिरकार पुरस्कार मिल गया...हमें लगता है कि जब बात पद्मभूषण सम्मान की है तो आप लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल को अलग-अलग नहीं कर सकते और प्यारेलाल अंकल को सिर्फ इसलिए पुरस्कार नहीं दे सकते कि वह यहां हैं और मेरे पिता दुर्भाग्यवश गुजर चुके हैं।''

लक्ष्मीकांत की पत्नी जया कुडालकर ने अपने पत्र में सरकार से प्यारेलाल के साथ-साथ अपने दिवंगत पति को यह सम्मान दिये जाने की अपील की है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को तीन पहले यह पत्र भेजा गया था जबकि गृह मंत्रालय को एक दिन पहले यानी मंगलवार को यह पत्र लिखा गया। राजेश्वरी ने कहा कि परिवार ने यह पत्र इसलिए लिखा क्योंकि लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल को संगीतकार जोड़ी के रूप में जाना जाता है और हर धुन उन्होंने साथ में एक टीम की तरह तैयार की थी। उन्होंने कहा, 'प्यारे अंकल वाकई में इसके हकदार हैं और मेरे पिता भी उतने ही हकदार हैं क्योंकि दोनों ने साथ मिलकर काम किया और संगीत में योगदान से लेकर सभी चीजें बिल्कुल एक समान है।'

' लक्ष्मीकांत कुडालकर और प्यारेलाल शर्मा ने वर्ष 1963 में फिल्म 'पारसमणि' से संगीतकार के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी और एक साल बाद 'दोस्ती' की सफलता के साथ अपनी पहचान बनायी।

जनस्पदंना कार्यक्रम के लिए तैयारियां पूर्ण

बेंगलूरु। गुरुवार को सुबह विधानसौधा के सम्मुख होने जा रहे मुख्यमंत्रक्ष खष दूसरे राज्यस्तरीय जनता दर्शन कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। राज्य के विभिन्न हिस्सों से आने वाली जनता द्वारा प्रस्तुत शिकायतों और अपीलों को प्राप्त करने के लिए विभागवार काउन्टर, अधिकारियों की नियुक्ति और एसओपी को आदेश दिया गया है।

मुख्यमंत्री के जनता दर्शन स्थल पर मंत्रालय के सभी विभागों के स्टॉल लगाए गए हैं और हर स्टॉल को एक नम्बर दिया गया है। सार्वजनिक पराशर्म के लिए नोडल अधिकारी की नियुक्ति की गई है। जनता दर्शन के दौरान आने वाले लोगों से पूछताछ कर उन्हें किस विभाग से मिलना चाहिए उससे मिलवाया जाएगा। यह तय करने के लिए अनुवभी अधिकारी और कर्मचारियों को एक पूछताछ काउन्टर पर नियुक्त किया गया है। वहां रजिस्टर में नागरिक का मोबाइल नम्बर और अन्य बुनियादी जानकारियां दर्ज की जाएगी और उन्हें स्टॉल नम्बर पर संबंधित विभाग के पास भेजा जाएगा। सभी स्टॉलों पर नागरिकों को बैठने के लिए व्यवस्था की गई हैं।

वरिष्ठ नागरिकों, गर्भवती महिलाओं, विकलांगों और नवजात बच्चों के साथ उपस्थित माताओं को प्राथमिकता दी जाएगी। जरूरतमंदों के लिए व्हील चेयर की व्यवस्था भी कार्यक्रम स्थल पर रहेगी। जनता दर्शन के लिए आने वाले लोगों के लिए चाय नाश्ता पानी की व्यवस्था होगी।

यह ऐसी व्यवस्था की गई है कि 5 से 10 हजार लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था हो सके। सभी के लिए शौचालय आदि की भी व्यवस्था की गई है। जनसम्पर्क में भाग लेने के लिए बाहर गांवों से आए लोगों के लिए बीएमटीसी द्वारा नि:शुल्क परिवहन की व्यवस्था भी उपलब्ध है।

गौरतलब है कि गत 27 नवम्बर को आयोजित मुख्यमंत्री के पहले जनता दर्शन कार्यक्रम में 4030 आवेदन प्राप्त हुए थे। जिसमें से 3738 आवेदनों का निस्तारण कर लिया गया है।

श्रीमद रामायण में काम करना अद्‌भुत अनुभव : सुजय रेऊ

मुंबई/वार्ता

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित हो रहे शो श्रीमद रामायाण में श्री राम की भूमिका निभा रहे सुजय रेऊ ने कहा है कि श्रीमद रामायण में काम करना उनके लिये अद्भुत अनुभव रहा है। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के दिव्य महाकाव्य 'श्रीमद रामायण' भगवान राम के जीवन और शिक्षाओं का वर्णन करती है।भगवान राम का किरदार निभा रहे सुजय रेऊ ने बताया,एक एक्टर के रूप में, शाही पोशाक से वनवास की साधारण पोशाक में बदलाव एक गहरा बदलाव रहा है, लेकिन भगवान राम के गुणों को मूर्त रूप देना निरंतर जारी है, जो सभी स्थितियों में सौम्यता और हौसला बनाए रखते हैं, जो महाकाव्य कथा का केंद्र है। इस शो में काम करना एक बहुत ही अद्भुत अनुभव रहा है, यह न केवल मुझे अपनी कला को विकसित करने में मदद कर रहा है बल्कि इस दिव्य चरित्र की शूटिंग के दौरान मिली सीख के साथ मुझे अपने व्यक्तित्व को आकार देने में भी मदद कर रहा है।

माता सीता की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री प्राची बंसल ने कहा, सीता अटूट भक्ति का प्रतीक है, यह साबित करती है कि सच्चा प्रेम चुनौतियों से परे है, और राम और सीता का बंधन सभी के लिए एक सच्ची प्रेरणा है कि वे जीवन की परीक्षाओं का सामना करते हुए अपने जीवनसाथी के साथ खड़े रहें। श्रीमद रामायण, हर सोमवार से शुक्रवार रात 9 बजे, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होता है।

'लकड़बग्घा-2' की शूटिंग स्थगित

मुंबई/एजेन्सी

एक्टर अंशुमन झा ने अपनी पत्नी सिएरा की गर्भावस्था के चलते 'लकड़बग्घा-2' के दूसरे पार्ट की शूटिंग एक महीने के लिए स्थगित कर दी है। सीक्वल अब अप्रैल की बजाय जून में जारी किया जाएगा। फिल्म की शूटिंग अब एक महीने या उससे अधिक समय बाद इंडोनेशिया में होगी। अंशुमन डिलीवरी से पहले, अपनी पत्नी के साथ रहने के लिए नौ सप्ताह के पैटरनिटी लीव पर जा रहे हैं, उन्होंने कहा यहां मैं अपने दिल की बात सुन रहा हूं। मैं इस समय सिएरा के साथ रहने को प्राथमिकता देना चाहता हूं। पिछले छह हफ्तों में और डिलिवरी के बाद कम से कम एक महीने तक उसके साथ रहना है। उन्होंने आगे कहा, मूल रूप से मुझे दो सप्ताह में लौटना था, लेकिन यह हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण क्षण है और उसके साथ रहना बाकी सभी चीजों से ऊपर है। 'लकड़बग्घा-2' के दूसरे पार्ट को प्रसिद्ध लेखक सौरव घोष ने लिखा है। 'लकड़बग्घा' 2023 में रिलीज हुई थी। इसमें रिद्धि डोगरा, परेश पाहुजा और मिलिंद सोमन भी हैं।

'जर्नी' में नाना पाटेकर के साथ काम करना शानदार अनुभव : भक्ति राठौड़

मुंबई/वार्ता

अभिनेत्री भक्ति राठौड़ का कहना है कि फिल्म जर्नी में नाना पाटेकर के साथ काम करना शानदार अनुभव रहा है। अनिल शर्मा निर्देशित -निर्मित, जर्नी में नाना पाटेकर, उत्कर्ष शर्मा, राजेश शर्मा, अश्विनी कालसेकर, राजपाल यादव जैसे कई कलाकार हैं।इस फिल्म में भक्ति राठौड़ ने नाना पाटेकर की सबसे बड़ी बहू मंजरी का किरदार निभाया है। फिल्म का पहला शेड्यूल बनारस के हर में शूट किया गया था, और अब, टीम दूसरा शेड्यूल हिमाचल प्रदेश में कर रही है। नाना पाटेकर के साथ काम करने को लेकर भक्ति राठौड़ ने कहा,नाना सर के साथ काम करना बहुत स्वाभाविक लगता है। उनके साथ दृश्य करना बहुत आसान है। वास्तव में, शूटिंग के पहले दिन के भीतर ही हम एक परिवार बन गए। हम ऑफ-स्क्रीन एक-दूसरे के साथ मजाक करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप कैमरे पर बहुत अच्छी केमिस्ट्री बनती है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं एक अभिनेता के रूप में उनके अनुशासन को पसंद करती हूं और उनसे मेल खाती हूं और इस तरह पहले से ही उनकी बेटी की तरह महसूस करती हूं।

'वह रात बाकी सब रातों से जुदा थी' : राकेश चौरसिया

नयी दिल्ली/भाषा

लॉस एंजिलिस के क्रिप्टो डॉट कॉम एरिना में विभिन्न शैलियों के विश्व के कुछ सर्वश्रेष्ठ संगीतकारों के साथ (ग्रैमी समारोह में) शिरकत करने बांसुरी वादक राकेश चौरसिया कहते हैं कि वह रात अब तक की अन्य रातों से जुदा थी और ग्रैमी के लिए दो श्रेणियों में नामांकित होने के बाद भी वह पुरस्कार को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं थे। हालांकि चौरसिया ने पुरस्कार जीता और वह भी दोनों श्रेणियों में। जबकि विश्व के सबसे प्रतिष्ठित संगीत पुरस्कारों के लिए उन्हें पहली बार नामांकित किया गया था। 52 वर्षीय बांसुरी वादक ने कहा कि यह (नामांकन) उनके लिए पर्याप्त साबित हुआ। राकेश चौरसिया ने सोमवार देर रात लॉस एंजिलिस हवाई अड्डे से फोन पर एक साक्षात्कार में 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'जब मुझे नामांकित किया गया तो मुझे लगा कि चलो ठीक है इतना ही काफी है, क्योंकि जहां मैं बैठा था और जिन लोगों से बातें कर रहा था, उन्हें छह या नौ नामांकन के बाद पुरस्कार मिला था।

लेकिन भगवान मुझ पर मेहरबान था कि जिस एल्बम को मैंने 2023 में तैयार किया था उसे उसी वर्ष नामांकित किया गया और फिर पुरस्कृत भी।' पहला ग्रैमी पुरस्कार 'पश्तो' को सर्वश्रेष्ठ वैश्विक संगीत प्रस्तुति के लिए तबला वादक जाकिर हुसैन, अमेरिकी बैंजो वादक बेला फ्लेक और अमेरिकी बासवादक एडगर मेयरे के समूह को मिला जबकि दूसरा पुरस्कार 'एज वी स्पीक' एल्बम को मिला।

'पश्तो', एल्बम 'एज वी स्पीक' के 12 गानों में से एक है। रविवार रात (अमेरिकी समयानुसार) इस भव्य समारोह में साथी संगीतकारों के साथ बात करते हुए राकेश चौरसिया को लगा था कि अभी उनका समय नहीं आया है। हवाई अड्डे पर मुंबई के लिए अपनी उड़ान के इंतजार के दौरान बांसुरीवादक ने 'पीटीआई-भाषा' से पुरस्कार, प्रेरणा और वैश्विक संगीत के बारे में अपनी भावनाएं साझा की।

अपने चाचा और दिग्गज बांसुरीवादक हरिप्रसाद चौरसिया की देख-रेख में बड़े हुए राकेश चौरसिया ने संगीत के मार्ग पर चलने के लिए उन्हें प्रेरित करने का श्रेय दो दिग्गजों को दिया, जिनमें से एक मशहूर तबला वादक जाकिर हुसैन भी हैं। तीन ग्रैमी पुरस्कार जीतने वाले हुसैन चौरसिया परिवार की दो पीढ़ियों के साथ अपनी प्रस्तुति देना जारी रखे हुए हैं, जिनमें गुरु व शिष्य के रूप में क्रमशः चाचा और भतीजा शामिल हैं। राकेश चौरसिया ने कहा, 'उनसे (हुसैन से) हमेशा कुछ न कुछ सीखने को मिलता है। बचपन से ही मैं उनका प्रशंसक रहा हूं और उनकी प्रस्तुति देखता रहा हूं।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

मागड़ी रोड सुमतिनाथ जैन मंदिर सह दादावाड़ी प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव

कुशल कांतिनगरी के उदघाटन के साथ हुए विभिन्न पूजा अनुष्ठान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ में सुमतिनाथ जिनालय सह दादावाड़ी, गुरु मंदिर अंजनशलाका प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव व भागवती दीक्षा महोत्सव प्रतिष्ठा निश्रादाता खरतरगच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभसूरीजी की निश्रा में तीसरे दिन रविन्द्र, नरेश, राजेश मुकेश जीरावला परिवार ने संतों व संघ की उपस्थिति में सुबह कुशल कांति नगरी का उदघाटन किया।

उदघाटन के बाद मंदिर में वेदिका पूजन, परमात्मा की वेदिका स्थापना, कुंभ स्थापना, दीपक स्थापना, ज्वारारोपण, भैरव पूजन, क्षेत्रपाल पूजन, षोडस विद्यादेवी पूजन, 64 योगिनी पूजन, चार देवी, नंदावर्त, दशदिकपाल, नवग्रह, अष्टमंगल, लघु सिद्धचक्र, लघुवीश स्थानक पूजन का किया गया। दोपहर में आचार्यश्री की निश्रा में परमात्मा का च्यवन कल्याण विधान हुआ तथा माता-पिता और इन्द्र इंद्राणी की स्थापना हुई। इस मौके पर आचार्यश्री विभिन्न पूजा आदि के महत्त्व को बताते हुए कहा कि पूजा, स्थापना, रोपण प्रभु आह्वान का तरीका है और जो व्यक्ति पूरी निष्ठा व प्रेम से इन विधि विधान को सम्पन्न करता है, उसके जीवन में शुभ ही शुभ होता है। इस मौके पर बड़ी संख्या में पुरुष व महिला श्रद्धालु उपस्थित थे।

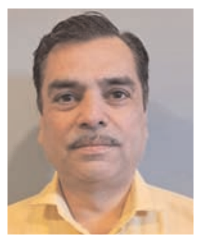

गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक की नई कार्यकारिणी समिति घोषित

साधारण सभा में सर्वसहमति से हुआ चयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक की साधारण सभा शहर के एक होटल में सम्पन्न हुई जिसमें आगामी तीन साल के लिए कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया। नई समिति में चेयरमैन के पद पर गौतमचंद धारीवाल, अध्यक्ष किरण बोहरा, उपाध्यक्ष अशोक कोठारी, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल बाफना, महामंत्री उगमराज चोपड़ा, सहमंत्री महेंद्र मेहता के नाम पर सर्व सहमति से निर्णय लिया गया तथा नामों की घोषणा की गई। बैठक में हर वर्ष एक बार गुरु गणेश धाम जालना संघ ले जाने की भी घोषणा की। समिति के नवनिर्वाचित अध्यक्ष किरण बोहरा ने बताया कि सभी सदस्यों के सहयोग से जालना गुरु गणेश धाम संघ ले जाया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम सभी को मिलकर समिति को नई ऊंचाइयों पर लेकर जाना है।

चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल ने कहा कि वर्ष 2016 में गठित समिति गत 8 वर्ष से हर अमावस्या पर हजारों जरुरतमंद लोगों के लिए अन्नदान अर्थात महाप्रसादी का आयोजन करते आ रही है। उसी श्रृंखला में कल गुरु गणेशीलाल म.सा. की 62वीं पुण्यतिथि पर अमावस्या प्रसादी का आयोजन किया जाएगा। धारीवाल ने कहा कि इस योजना को लेकर समिति की सराहना हो रही है। उन्होंने सभी सहयोगियों को धन्यवाद देते हुए आगे भी सहयोग की अपील की। साधारण सभा में प्रफुल कोठारी, उगमराज चोपड़ा, महावीरचंद धारीवाल(चामराजपेट), विनोद चोरड़िया, महावीरचंद धारीवाल (हनुमंतनगर) सहित अनेक गुरुभक्त उपस्थित थे। अनेक सदस्यों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए।

जैन, श्रावक व साधु बनना हम सभी का सौभाग्य : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हासन। शहर के आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ में विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में मुमुक्षु तनुषकुमार के संयम स्वीकार महोत्सव के लिए आमंत्रण पत्रिका आलेखन का मांगलिक कार्य हुआ। इस प्रसंग पर आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीजी ने कहा कि अभागा वो नहीं जिसे अपना लक्ष्य पता नहीं चला,जैन पता नहीं चला, साधु होने का रास्ता पता नहीं चला, लेकिन अभागा वो है जिसको जैन, श्रावक व साधु बनने का पता न चला। इस मौके पर संघ के अध्यक्ष धनराज सोफाड़िया, अमृतलाल निर्मल धोका, देवराज पालरेचा, पारसमल नाहर, धनसुख पुनमिया, रमेश परमार, अनिल बोथरा, इन्दर कर्नावट आदि ने आमंत्रण पत्रिका आलेखन का कार्य किया। संगीतकार मितुल जैन से संगीत की प्रस्तुति दी।

शहर के चामराजपेट स्थित सीतादेवी रतनचंद नाहर आदर्श कॉलेज में शिक्षकों को 'नैतिकता व मूल्य' विषय पर प्रशिक्षण हेतु त्रिदिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में आदर्श ग्रुप आफ समूह के अध्यक्ष पदमराज मेहता व सचिव जितेंद्र मरड़िया ने शुभकामनाएं दी।

मूर्त से अमूर्त की ओर जाने की प्रक्रिया है ज्ञान : स्वामी वीरेशानंद

आदर्श कॉलेज में आयोजित हुआ नैतिकता व मूल्य आधारित प्रशिक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के चामराजपेट स्थित सीतादेवी रतनचंद नाहर आदर्श कॉलेज में शिक्षकों को 'नैतिकता व मूल्य' विषय पर प्रशिक्षण हेतु त्रिदिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में आदर्श ग्रुप आफ समूह के अध्यक्ष पदमराज मेहता व सचिव जितेंद्र मरड़िया ने शुभकामनाएं दी। कॉलेज प्राचार्य डॉ एस प्रशांत और एकेडमिक डीन डॉ मनोज जैन ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में रामकृष्ण विवेकानंद आश्रम तुमकुर के अध्यक्ष स्वामी वीरेशानंद सरस्वती, चाणक्य यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर व डीन डॉ एचएस अशोक, ज्योति इंस्टिट्यूट ऑफ़ कॉमर्स एवं मैनेजमेंट के निदेशक लक्ष्मणप्रसाद व आकाशवाणी के शंकर नारायण उपस्थित थे।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र में 'आपका काम आपको परिभाषित करता है और आप राष्ट्र को परिभाषित करते हैं' विषय पर स्वामी वीरेशानंद सरस्वती ने सभी शिक्षकों को मास शिक्षा और क्लास शिक्षा में अंतर बताते हुए कहा कि शिक्षा को अन्य नौकरियों के समान माना जाना चाहिए। उन्होंने ज्ञान को मूर्त से अमूर्त की ओर जाने की प्रक्रिया बताया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में '21वीं सदी में शिक्षक की चुनौतियां' विषय पर डॉ अशोक ने 21वीं सदी के परिपेक्ष में सीखने के महत्व को लेकर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि कोविड जैसी महामारी ने हमारे जीवन को बहुत प्रभावित किया है। इन बदलाव की ओर उन्होंने शिक्षकों का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने विद्यार्थियों में सदाचार व नैतिकता जैसे गुणों का विकास करने के तरीके बताए।

एस्टर सीएमआई अस्पताल ने एआई का नवाचार किया लांच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में अग्रणी एस्टर सीएमआई अस्पताल के न्यूरोलॉजी विभाग द्वारा एआई कार्पल टनल सिंड्रोम (सीटीएस) एक ऐसी तकनीक विकसित की है जो तंत्रिका अल्ट्रासाउंड डायग्नोस्टिक्स में नई क्रांति लाएगी। यह तकनीक कुशलता से पुनर्परिभाषित, निदान और स्क्रीनिंग करती है। यह अल्ट्रासाउंड वीडियो में मीडियन नर्व की पहचान कर सकती है और उच्चतम 95 प्रतिशत सटीकता के साथ सीटीएस का पता लगा सकता है, जो स्वास्थ्य देखभाल नवाचार में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। एआई उपकरण सीटीएस निदान में सटीकता और दक्षता की दिशा में एक परिवर्तनकारी प्रगति का प्रतीक है। बुधवार को एस्टर डीएम हेल्थकेयर के सीओओ एसजीएस लक्ष्मणन, एस्टर हॉस्पिटल्स के सीईओ रमेशकुमार , आईआईएससी के प्रोफेसर पनीन्द्र यलवत्ती, लीड कंसल्टेंट न्यूरोलॉजी डॉ. लोकेश बाथला ने इस नई तकनीक को लांच किया।

अयोध्या राम मंदिर दर्शन अभियान टीम को विदाई

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । अयोध्या श्री राम मंदिर दर्शन अभियान की टीम को आज तुमकुर रेलवे स्टेशन पर विदाई दी गई। विधायक ज्योतिगणेश, सुरेश गौड़ा, राज्य सचिव श्रीमती अंबिका हुलिनायकारा, श्री राम मंदिर दर्शन अभियान के राज्य सह-संयोजक जगदीश हिरेमानी, जिला अध्यक्ष रविशंकर (हेब्बाक), अभियान के रेलवे प्रमुख विजेंद्र डी.टी ने भाग लिया। बेंगलूरु मंडल मंडल रेल प्रबंधक योगेश मोहन, अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक श्रीमती कुसुमा हरिप्रसाद, प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर वीके अग्रवाल और अन्य उपस्थित थे।

कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में न्यायमूर्ति अंजारिया के नाम की सिफारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाले उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने बुधवार को कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में गुजरात उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एन वी अंजारिया के नाम की सिफारिश की। कॉलेजियम ने कहा कि 24 फरवरी को न्यायमूर्ति पी एस दिनेश कुमार की सेवानिवृत्ति के बाद कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के कार्यालय में एक रिक्ति होगी।

कॉलेजियम में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति बी आर गवई भी शामिल थे। कॉलेजियम ने न्यायमूर्ति अंजारिया को कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने का प्रस्ताव दिया है, जो उस तारीख से प्रभावी होगा जिस दिन मौजूदा मुख्य न्यायाधीश सेवानिवृत्त होंगे। कॉलेजियम ने कहा, न्यायमूर्ति अंजारिया को 21 नवंबर, 2011 को गुजरात उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था और तब से वह वहीं कार्यरत हैं। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत होने से पहले, उन्होंने दीवानी, संवैधानिक, कंपनी कानून, श्रम और सेवा मामलों में गुजरात उच्च न्यायालय में वकालत की और नागरिक एवं संवैधानिक मामलों में विशेषज्ञता हासिल की।

योग — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के अविनाश योग संस्थान द्वारा शेषाद्रिपुरम स्थित गुंडूराव ऑडिटोरियम, में द्वितीय राष्ट्रीय योग चैम्पियनशिप 'कर्नाटक रत्न डॉ. पुनीत राजकुमार योगासन कप' का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस चैम्पियनशिप में राज्य के विभिन्न जिलों से 250 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया तथा योगासनों का प्रदर्शन किया।

विशेष अदालत ने बेंगलूरु पुलिस को उपमुख्यमंत्री शिवकुमार के खिलाफ मामला दर्ज करने का निर्देश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में बेंगलूरु की एक विशेष अदालत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं के प्रदर्शन की एक फर्जी तस्वीर का कथित तौर पर इस्तेमाल करने के लिए पुलिस को उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के साथ-साथ कांग्रेस की राज्य इकाई के आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख बी.आर. नायडू के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने का निर्देश दिया है।

भाजपा नेताओं ने वर्ष 1992 में बाबरी मस्जिद विध्वंस आंदोलन का हिस्सा रहे कार सेवक श्रीकांत पुजारी की गिरफ्तारी को लेकर हाल ही में हुए प्रदर्शन में हिस्सा लिया था भाजपा के प्रदर्शनकारियों ने हाथ में तख्तियां ली हुईं थीं, जिनपर लिखा था, ''मैं भी कार सेवक, मुझे भी गिरफ्तार करो।''

कांग्रेस के आईटी प्रकोष्ठ ने तख्तियों पर लिखे नारों को कथित तौर पर बदल दिया, जिससे यह

घोटालों और अन्य अनियमितताओं पर कबूलनामा जैसा लगने लगा और फिर इन्हें सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। इस तस्वीर को शिवकुमार के सोशल मीडिया से भी साझा किया, जो प्रदेश इकाई के अध्यक्ष भी हैं। भाजपा के विधि प्रकोष्ठ के राज्य संयोजक योगेन्द्र होडाघाट्टा ने सांसदों-विधायकों की विशेष अदालत में शिकायत दर्ज कराई और जिक्र किया कि दो समुदायों के बीच शत्रुता पैदा करने के लिए एक फर्जी दस्तावेज पोस्ट किया। अदालत ने हाई ग्राउंड थाने के प्रभारी को दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 156 (3) के तहत मामला दर्ज करने का निर्देश दिया है।

केनरा बैंक का निदेशक मंडल शेयर विभाजन के प्रस्ताव पर करेगा फैसला

बेंगलूरु/नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने बुधवार को कहा कि वह शेयर तरलता बढ़ाने के लिए अपने इक्विटी शेयरों के विभाजन की योजना बना रहा है। केनरा बैंक ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा कि निदेशक मंडल की 26 फरवरी को होने वाली बैठक में शेयर विभाजन के प्रस्ताव पर निर्णय लिया जाएगा।

इस बैठक में बैंक के इक्विटी शेयरों के विभाजन के लिए निदेशक मंडल से सैद्धांतिक मंजूरी लेने की योजना है। हालांकि यह निर्णय भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) एवं अन्य नियामकीय मंजूरियों के अधीन होगा। शेयर विभाजन योजना के तहत कंपनी अपने शेयरों को दो हिस्से में विभाजित करती है तो शेयरधारकों को उसके पास मौजूद हर एक शेयर पर एक अतिरिक्त शेयर दिया जाता है। इससे शेयरधारक के पास पहले से मौजूद शेयरों की संख्या दोगुनी हो जाती है।

हॉकी खिलाड़ी वरुण कुमार के खिलाफ यौन उत्पीड़न के मामले में सबूत जुटा रही है पुलिस

बेंगलूरु। भारतीय राष्ट्रीय टीम के हॉकी खिलाड़ी वरुण कुमार के खिलाफ बलात्कार के आरोपों की जांच कर रही बेंगलुरु पुलिस ने कहा कि वह इस खिलाड़ी के खिलाफ सबूत जुटा रही है जिनमें उनके और कथित पीड़ित के बीच बातचीत के रिकॉर्ड और संदेश आदि शामिल हैं। पुलिस ने कहा कि जांच में शामिल होने के लिए वह जल्द ही इस 28 वर्षीय खिलाड़ी से संपर्क करेगी।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने पीटीआई से कहा,हम मामले की जांच कर रहे हैं और आवश्यक सबूत जुटा रहे हैं। हमने अभी तक कुमार से संपर्क नहीं किया है। वह कर्नाटक से बाहर है, इसलिए हम जल्द ही उससे संपर्क करके जांच में शामिल होने के लिए कहेंगे। वह अभी जिस जगह पर अभ्यास कर रहा है हमने वहां कोई टीम नहीं भेजी है। अगर वह यहां आ जाता है तो ठीक है नहीं तो हमें अपनी टीम वहां भेजनी होगी। उन्होंने कहा,हमने सबूत जुटाना शुरू कर दिए हैं। हम कुमार और पीड़ित के बीच संदेश और बातचीत आदि के सबूत जुटा रहे हैं। हम बयान दर्ज करने के लिए उनके आपसी मित्रों से भी संपर्क करेंगे।

साध्वी लावण्यश्री ने किया बेंगलूरु सीमा में प्रवेश

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। मेवाड़ भवन यशवन्तपुर में मर्यादा महोत्सव में सान्निध्यता प्रदान करने आ रही साध्वी लावण्यश्रीजी ने बुधवार को होसूर से विहार कर कर्नाटक सीमा में प्रवेश किया। साध्वीश्री ने विहार करके सुसवाणी माता धाम होते हुए पार्श्व सुशील धाम पहुंची। इस मौके पर साध्वीश्री ने श्रावक समाज को धर्म संदेश देते हुए कहा कि हमारा यह शरीर बहुमूल्य रत्नों का खजाना है। ये शरीर हमें मुक्ति मंजिल तक पहुंचाने मे भरपूर सहयोग करता है बशर्ते नैतिकता, प्रामाणिकता, ईमानदारी, सामंजस्य आदि सद्गुण हमारे जीवन में हो। हमारा अहोभाग्य है कि हमें जिनशासन मिला। हम सभी एक लक्ष्य बनाकर मुक्ति मंजिल की ओर अग्रसर हो। साध्वीश्री सिद्वांतश्रीजी एवं दर्शितप्रभाजी ने अनुमोदना में भाव व्यक्त किए। बेंगलूरु तेरापंथ सभा के अध्यक्ष कमल दुगड, यशवन्तपुर तेरापंथ सभा के मंत्री महावीर ओस्तवाल ने साध्वीश्री का स्वागत किया। होसूर से मंगलचंद बाफना, विहार सेवा प्रभारी मानकचंद मुथा, रूपचंद देसरला मीडिया प्रभारी जितेंद्र घोषाल, तेयुप अध्यक्ष जिगर मारू एवं टीम, गांधीनगर तेयुप अध्यक्ष रजत बैद सहित विभिन्न परिषद के सदस्य उपस्थित थे।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com